पेज 03 में...
स्मार्ट पुलिसिंग के लिए बनी स्ट्रैटजी

साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 24 नवंबर से 07 दिसंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 04 में...
एसआईआर : बवाल और गुस्से में उबाल

वर्ष : 01 अंक : 38-39 (संयुक्तांक) पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 07 रोमांचक मुकाबले में 17 रन से जीती टीम इंडिया

सुशासन के नौ रत्न...

विकासशील
मुख्य सचिव

रजत कुमार
सचिव, उद्योग

सुबोध सिंह
प्रमुख सचिव

निहारिका बारिक
प्रमुख सचिव
पंचायत एवं ग्रामीण

रोहित यादव
सचिव, ऊर्जा

कमलप्रीत सिंह
सचिव, पीडब्ल्यूडी

पी दयानंद
मुख्यमंत्री के सचिव
सचिव, माइनिंग

बसवराजू एस
मुख्यमंत्री के सचिव

मुकेश बंसल
मुख्यमंत्री के सचिव

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी मोबाईल नंबर 7000681023

अगर किसी राज्य को विकास के कार्यों में अन्य समृद्ध राज्यों से होड़ करना है तो उसे प्रदेश की अफसरशाही को फ्री हेंड होकर काम करने देना होगा। राजनीतिक सुशासन के लिए यह मूल मंत्र भी है। रमन सिंह सरकार अगर 15 साल चली तो उसके पीछे ब्यूरोक्रेसी और उसकी कर्मठ टीम की बड़ी भूमिका रही। कांग्रेस की सरकार पांच साल में विदा हो गई तो इसके पीछे एक बड़ा कारण सशक्त टीम का अभाव रहा। लेकिन सूबा-ऐ-सदर विष्णुदेव साय यह समझ चुके हैं। सूबे की सियासी, माली बेहतरी के लिए साय सुशासन में प्रदेश की अफसरशाही अब फ्री हेंड डेवलपमेंट को अंजाम दे रही है। साय के नौ रत्नों की टीम में पीएमओ, एमएचए, एडीबी में अपनी अफसरी को मांजकर आए ब्यूरोक्रेट्स हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय से लेकर चीफ सेक्रेटरी तक आर्थिक, प्रशासनिक योजनाओं से लेकर विकास कार्यों में पारंगत अफसर तैनात हैं।

पीछे ब्यूरोक्रेसी और उसकी कर्मठ टीम की बड़ी भूमिका

कांग्रेस की सरकार में पांच साल में सशक्त टीम का अभाव रहा

सुशासन के इन नौ रत्नों में गलत को गलत कहने की हिम्मत

रमन सिंह सरकार के 15 साल के नक्शेकदम पर साय सरकार

प्रदेश की अफसरशाही अब फ्री हेंड डेवलपमेंट को अंजाम दे रही

शहर सत्ता/रायपुर। गुजरात, तेलांगना, बिहार और यूपी जैसे राज्यों में तेज रफ़्तार से चल रहे डेवलपमेंट वर्क देखकर सब हैरान हैं। खासकर यूपी, बिहार की बात करें तो जहां विकास की बातें बेमानी थी, अपराधों के नाम से इन दोनों प्रदेशों को जाना जाता था, ऐसे राज्य अब विकास के कार्यों में होड़ कर रहे हैं। इसका सीधा लाभ भी सत्ता नशीनों को हुआ है।

छत्तीसगढ़ में विकास के ऐसे ही कार्यों के लिए शासन और प्रशासन दोनों का बेहतर समन्वय और सामंजस्य साय सुशासन में परिलक्षित हो रहा है। सालों साल सत्ता में रहना हो तो परवर्ती रमन सिंह सरकार के कार्यकाल और उस वक्त की ब्यूरोक्रेसी और उसकी कर्मठ टीम अच्छा उदहारण है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी निजाम पांच साल में अलविदा हो गया, इसके पीछे एक बड़ा कारण सशक्त प्रशासनिक टीम का अभाव रहा। फ़िलहाल छत्तीसगढ़ में सुशासन के लिए साय के इन नौ रत्नों में विकासशील, सुबोध सिंह, रोहित यादव, मुकेश बंसल, पी दयानन्द, बसवराजू, प्रभात मलिक, कमल प्रीत, निहारिका बारीक जैसे प्रशासनिक अधिकारी हैं। हालांकि कांग्रेस शासनकाल में इन जैसे अधिकारीयों की अनदेखी हुई। नतीजतन काबिल प्रशासन का खामियाज़ा भी भूपेश सरकार को भुगतना पड़ा।

साप्ताहिक शहर सत्ता

नौ रत्नों के भी 9 रतन

शशांक पांडेय
सूडा एवं चिप्स

शीतल शाश्वत वर्मा
डायरेक्टर इंस्टीट्यूशनल फाइनेंस

राजेश राणा
सीईओ, क्रेडा

रजत बंसल
डायरेक्टर माइनिंग

रवि मित्तल
आयुक्त जनसंपर्क

सारांश मित्तर
आयुक्त, जनजाति

अंकित आनंद
सचिव, आवास पर्यावरण

जितेंद्र शुक्ला
जलजीवन मिशन एवं मार्कफेड

प्रभात मलिक
डायरेक्टर उद्योग एवं सीईओ चिप्स

करप्शन पर नौ रत्न का सबसे सॉलिड स्ट्रोक

जमीनों के गाइडलाइन रेट में वृद्धि को लेकर छत्तीसगढ़ में साय सुशासन और उनके नौ रत्नों ने एक तरह से करप्शन पर सबसे सॉलिड स्ट्रोक मारा है। इससे आम आदमी नहीं बल्कि काली कमाई करने वाले नेता-अफसरों और भूमाफियाओं को नुकसान होगा। गाइडलाइन रेट बढ़ने से भूमाफियाओं और बिल्डरों को नुकसान होगा तो नेताओं का भी जमीन में इंवेस्टमेंट का धंधा मार खाएगा। राजस्व भी बढ़ेगा और रेवेन्यू अर्निंग से राज्य हितों में कई योजनाएं सुचारु हो जाएगी। भ्रम ऐसा फैला दिया गया है कि गाइडलाइन रेट बढ़ने से सूबे का रियल इस्टेट बैठ जाएगा। मीडिल और लोवर क्लास के पास काली कमाई होती नहीं, सो गाइडलाइन रेट बढ़ने से खरीदी जाने वाली जमीन या मकान का रेट बढ़ेगा, तो उस हिसाब से उन्हें बैंकों से लोन मिल जाएगा। काली कमाई वाले नेता, अधिकारी और बिल्डरों के पास पास दो नंबर का पैसा था उन्हें इस व्यवस्था से आपत्ति है। वैसे भी 2017 तक हर साल 10% रेट बढ़ता ही था। बाकी राज्यों में भी ऐसा ही होता है। 2018 के बाद दर बढ़ना बंद हो गया। इसमें जमीनों का धंधा खूब फला-फूला। इससे समझा जा सकता हैं कि कचना, विधानसभा रोड पर बिल्डरों का रेट है छह हजार से सात हजार रुपए फुट और सरकारी दर थी हजार-बारह सौ। इसका सिर्फ युक्तियुक्तकरण किया गया है।

एक समय में अफसरशाही का था सबसे ख़राब दौर

छत्तीसगढ़ गठन जब हुआ तब राज्य बनने के बाद सबसे खराब दौर में यहां की ब्यूरोक्रेसी थी। उस वक्त मुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीत प्रमोद जोगी थे। खुद प्रशासनिक अधिकारी रहे श्री जोगी सियासत और अफसरशाही पर हावी रहे। तब अच्छा काम करने वाला कैडर नहीं बल्कि ब्यूरोक्रेसी में मलाईदार कैडर में विभक्त हो गया था। नए राज्य छत्तीसगढ़ में राज्य गठन, विकास कार्यों और नक्सल उंन्मूलन के लिए पैसों के आए फ्लो ने अफसरशाही का बड़ा नुकसान किया। हत्या, लूट-खसोट का यह सिलिसिला कांग्रेस को 15 साल तक सत्ता से परे कर दिया। कमोबेश ऐतिहासिक जीत दर्ज कर भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस सत्ता में लौटी लेकिन आईएएस, आईपीएस ने इतना पैसा बना लिया कि बिल्डरों और कारोबारियों के साथ मिलकर व्यापार शुरू कर दिया। दूसरा कारण है बेजा राजनीतिक हस्तक्षेप। रिजल्ट देने वाले अच्छे अफसर भी आगे बढ़कर काम करने से बेहतर प्रतिनियुक्ति में जाना समझे।

स्मार्ट पुलिसिंग के लिए बनी स्ट्रैटजी

छत्तीसगढ़ में पहली और देश की 60वीं DGP कॉन्फ्रेंस संपन्न

IIM नवा रायपुर में 60वीं ऑल इंडिया DGP-IG कॉन्फ्रेंस रविवार 30 नवंबर को संपन्न हुई। PM नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस देश की सिक्योरिटी स्ट्रैटजी को बदलने के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करती है। पुलिस को अब जनता और युवाओं के बीच भरोसे की एक नई इमेज बनानी होगी। देश की पुलिसिंग को फ्रेंकफर्ट स्टाइल में स्मार्ट बनाने के लिए भी कई कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

- **PM बोले-AI और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से चलेगी पुलिसिंग**
- **भगोड़ों को भारत लाने और भागने से पहले ही मुश्कें कसने का प्लान**
- **महिला सुरक्षा के लिए देशभर में बने एक प्लेटफॉर्म**

शहर सत्ता/रायपुर। IIM नवा रायपुर में 60वीं ऑल इंडिया DGP-IG कॉन्फ्रेंस रविवार 30 नवंबर को संपन्न हुई। समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट पुलिसिंग पर विस्तृत प्रारूप पर ठोस योजना की आवश्यकता पर जोर दिया। महिलाओं के खिलाफ क्राइम को रोकने के लिए डायल 112 जैसा एक देशव्यापी प्लेटफॉर्म बनाया जाना चाहिए। देश में भविष्य की पुलिसिंग AI, फोरेंसिक, NATGRID और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से चलेगी। साथ ही भगोड़ों को विदेश से भारत लाने पर भी रणनीति बनी।

उन्होंने आतंकवाद, ड्रग्स का गलत इस्तेमाल, साइबर क्राइम और महिलाओं की सेफ्टी जैसे मुद्दों पर एक तेज और को-ऑर्डिनेटेड स्ट्रैटजी की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि विजन 2047 की तैयारी में पुलिसिंग को एकाउंटेबल, सेंसिटिव और मॉडर्न बनाने की जरूरत है। कॉन्फ्रेंस में खास सेवा के लिए प्रेसिडेंट पुलिस मेडल और शहरी पुलिस सुधारों के लिए अवॉर्ड भी दिए गए। कॉन्फ्रेंस खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अलग-अलग स्कूलों के 30 छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। बच्चों से कॅरियर और परीक्षा को लेकर चर्चा की।

रविवार को सत्र में यह हुआ

अखिल भारतीय DGP-IG कॉन्फ्रेंस में सुबह उन राज्यों को प्रेजेंटेशन देने का मौका मिला, जो कल अपनी रिपोर्ट पेश नहीं कर पाए थे। पहले सत्र में पुलिसिंग में AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग पर चर्चा की गई। दूसरे सत्र गाइडलाइन तैयार करने की प्रक्रिया पर फोकस रहा। सुरक्षा एजेंसियों की जरूरतों, राज्यों के इनपुट और पिछली सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए अंतिम गाइडलाइन का ड्राफ्ट तैयार किया गया। साथ ही देश के जियो-पॉलिटिकल चैलेंजेस पर चर्चा हुई। इसी दौरान 'मॉडल स्टेट' भी चुना गया, जिसकी बेहतरीन प्रैक्टिस को पूरे देश में लागू किए जाने की तैयारी है।

शनिवार को यह हुआ

कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन शनिवार को 13 घंटे में 4 सेशन में मैराथन बैठक हुई थी। बैठक की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत देशभर की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। शनिवार को कॉन्फ्रेंस में 4 सत्र निर्धारित थे, जिनमें विभिन्न राज्यों के DGP ने अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन दी। बैठक का मुख्य फोकस राष्ट्रीय सुरक्षा, उभरती चुनौतियां और पिछली सिफारिशों के अमल की समीक्षा पर है। बैठक के एजेंडा में महिला सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से और मजबूत करने पर भी विशेष चर्चा शामिल है।

2047 की पुलिसिंग का रोडमैप तैयार

छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम 'बस्तर 2.0' पर अपनी बात रखी। उन्होंने मार्च 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन के बाद बस्तर में विकास की रणनीति पर विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा 2047 की पुलिसिंग का रोडमैप तैयार किया गया। विभिन्न राज्यों के DGP ने अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन दी। बैठक का मुख्य फोकस राष्ट्रीय सुरक्षा, उभरती चुनौतियां और पिछली सिफारिशों के अमल की समीक्षा पर है।

ऐसा था vip बंदोबस्त

मोदी और शाह स्पीकर के तो डोभाल रहे वित्त मंत्री के बंगले में

प्रधानमंत्री एम-1 और केंद्रीय गृहमंत्री एम-11 में ठहराए गए थे। नए सर्किट हाउस में एनएसए अजीत डोभाल, डिप्टी एनएसए अनीश दयाल सिंह, आईबी चीफ तपन डेका, केंद्रीय गृह सचिव और दोनों केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के ठहरने की व्यवस्था की गई थी। बाद में पीएम मोदी और एचएम अमित शाह को डॉ रमन सिंह के नवा रायपुर अटल नगर में रुकवाया गया और एनएसए डोभाल को फिर वित्त मंत्री ओपी चौधरी के नए बंगले में रखा गया। सर्किट हाउस में 6 सूइट और 22 कमरे बुक थे। ठाकुर प्यारेलाल संस्थान में 140 कमरे और निमोरा अकादमी में 91 कमरे बुक किये गए थे। इस कार्यक्रम में शामिल 33 राज्यों के डीजीपी, पैरामिलिट्री फोर्स के 20 डीजी/एडीजी समेत 75 पुलिस अधिकारी ठहराए गए।

इन मुद्दों पर भी अहम चर्चा

- **स्मार्ट पुलिसिंग:** राज्यों में पुलिस को स्मार्ट करने के लिए क्या किया गया।
- **निगेटिव मीडिया रिपोर्टिंग:** निगेटिव रिपोर्टिंग को रोकने के लिए क्या प्रयास किया गया।
- **सोशल मीडिया मॉनिटरिंग:** सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के लिए राज्यों में क्या सिस्टम है।
- **पुलिस वेलफेयर:** पुलिस वेलफेयर के लिए क्या-क्या किया है।
- **साइबर फ्रॉड:** साइबर फ्रॉड में कार्रवाई के साथ जागरूकता के लिए क्या किया गया।
- **आईजी-एसपी कॉन्फ्रेंस:** सभी राज्यों को डीजीपी कॉन्फ्रेंस की तरह आईजी-एसपी कॉन्फ्रेंस करने का निर्देश दिया गया।
- **आंतरिक सुरक्षा के लिए एक्शन प्लान:** आंतरिक सुरक्षा को लेकर किस तरह का एक्शन प्लान है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

एसआईआर
बवाल और गुस्से में उबाल

- जनता और ड्यूटीरत स्टाफ पशोपेश में
- एसआईआर करवाने 7 दिन की बढ़ी मियाद
- इलेक्शन कमीशन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती
- फाइनल लिस्ट 14 फरवरी को जारी होगी

एसआईआर का ऐसा बवाल फट पड़ा है कि छत्तीसगढ़ में इसकी तय मियादी तारीख बढ़ानी पड़ी है। कहीं बीएलओ और ड्यूटीरत स्टाफ पर हमला हो रहा है तो प्रदेश की सियासत भी गरमा गई है। सत्तारूढ़ भाजपा और चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने के लिए भी कांग्रेस इसे जान आंदोलन और बड़ा मुद्दा बनाने में कोई कमी नहीं कर रही। एसआईआर करवाने 7 दिन की मियाद बधाई गई है, अब 4 की जगह 11 दिसंबर तक होगा।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रोसेस चल रहा है, लेकिन कोंटा से CPI के पूर्व MLA मनीष कुंजाम ने वोटर्स के नाम हटाए जाने की आशंका जताते हुए इलेक्शन कमीशन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

उनका दावा है कि हजारों आदिवासी लोगों के नाम एनरोलमेंट लिस्ट से हटाए जा सकते हैं। बस्तरिया राज मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम ने बताया कि SIR का प्रोसेस बस्तर की खास जनजातियों के लिए मुश्किल है। 1 नवंबर को चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जॉय माल्या बागची करेंगे। याचिका में सुनवाई के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सलवा जुडूम के समय 644 गांव वीरान हो गए थे। हजारों लोगों के घर जला दिए गए थे। उनके पास डॉक्यूमेंट्स नहीं हैं। कई गांव जंगल में हैं। कोई BLO इतनी दूर नहीं पहुंच सकता। इन सभी दिक्कतों को लेकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

99.53% फॉर्म लोगों तक पहुंचे

शनिवार को चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 51 करोड़ मतदाताओं के लिए बनाए गए गणना फॉर्म में से 99.53% फॉर्म लोगों तक पहुंचा दिए गए हैं। इनमें से लगभग 79% फॉर्म का डिजिटलीकरण भी पूरा हो चुका है। यानी यानी घर-घर से BLO जो फॉर्म भरकर लाते हैं, उनमें लिखे नाम, पते और अन्य विवरण को ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज किए जा चुके हैं।

रायपुर में SIR प्रक्रिया के दौरान विवाद

- SIR प्रक्रिया के दौरान रायपुर जिले में 2 विवाद हो चुके हैं। पहला विवाद भाजपा विधायक का बीएलओ से हुआ था। यह विवाद 15 नवंबर को हुआ था। इस विवाद के बाद बीएलओ के पक्ष में कांग्रेसी उतरे थे, तो पार्षद और बीजेपी नेताओं ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी।
- दूसरा विवाद रायपुर के कालीमाता वार्ड में हुआ है। यह विवाद 29 नवंबर को हुआ है। यहां पर महिला और बीएलओ के बीच विवाद हुआ तो उसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। इस मामले की शिकायत अभी तक नहीं हुई है।
- रायपुर के काली माता वार्ड में एक महिला ने बीएलओ से मारपीट और गाली-गलौज की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला बीएलओ से एसआईआर फॉर्म घर पहुंचाने की मांग कर रही थी। फॉर्म मिलने में देरी होने पर महिला ने पहले गाली-गलौज की और फिर हाथापाई पर उतर आई।

कांग्रेस की अपील कहा और बढ़नी चाहिए समय सीमा

कांग्रेस ने कहा 7 दिन नहीं, 3 महीने के लिए बढ़ाई जनि चाहिए एसआईआर अवधि। धान कटाई, पलायन और बस्तर की स्थिति को देखते हुए एक महीने में एसआईआर पूरा होना असंभव है। कांग्रेस ने यह भी बताया कि मनरेगा के काम बंद होने की वजह से बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, जशपुर और बस्तर क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग रोजी-रोटी के लिए अन्य राज्यों में पलायन कर चुके हैं। इनके लौटने और दस्तावेज जमा करने में समय लगेगा। ऐसे में एक माह की समय सीमा पूरी तरह अव्यावहारिक है। इससे भी गंभीर स्थिति बस्तर के उन 600 नक्सल प्रभावित गांवों की है, जहां लोग सालों से अपना गांव छोड़कर तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में रह रहे हैं।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

सेवा से दूर होते लोक सेवक

अब तक हमें प्रधानमंत्री तो मिले, लेकिन कोई चौकीदार नहीं मिला था। हमारी खुशकिस्मती है कि अब देश को चौकीदार मिल गया है। लेकिन विडंबना ही है कि हमें अच्छे लोक सेवक पर्याप्त संख्या में नहीं मिले। जन से दूर होते लोक सेवकों का देश से लेकर राज्यों तक अकाल है। ऐसा नहीं है कि मेहनतकश और काबिल अफसर नहीं हैं; लेकिन तादात ज्यादा नहीं है। गत वर्षों में गुजरात, तेलांगना, बिहार और यूपी समेत छत्तीसगढ़ में तेज गति से चल रहे डेवलपमेंट वर्क देखकर हैरानी होती है। लब्बोलुआब यह कि जहां सियासत और अफसरशाही अपनी हद में काम करती है उस सूबे का काया कल्प होना तय है।

एक वक्त ऐसा भी था कि इन सूबों में अपराध, भ्रष्टाचार और सियासी हदों की पराकष्ठा पार थीं। खासकर नौकरशाह और सियासतदाओं के लिए लक्ष्मण रेखा खींचना मुश्किल हो गया था। चौकीदार के नेतृत्व में सब की हदें भी तय हो रही हैं और काली कमाई करने वाले नेतृत्व का तिरस्कार भी जनता करने लगी है। छत्तीसगढ़ में ऐसे बेलगाम होते नेतृत्व और नौकरशाहों के कई उद्हारण हैं जब इन्हीं वजहों से सत्ता और शक्ति का पतन भी हुआ। राज्य में अब प्रशासन और पुलिस में नेताओं का हस्तक्षेप नहीं के बराबर रह गया है। नतीजतन बेहतर अफसरशाही अब फ्री होकर डेवलपमेंट को अंजाम दे रही है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से लेकर भाजपा का शासन जनता ने देखा है और वो वर्तमान से लेकर बीते कार्यकाल का आंकलन है। जैसे रमन सिंह सरकार अगर 15 साल चली तो उसके पीछे ब्यूरोक्रेसी और उसकी कर्मठ टीम की बड़ी भूमिका रही। हालांकि इस बात से कांग्रेसी और भाजपा के चुनिंदा नेता इत्तेफाक नहीं रखते लेकिन, लगातार तीन दफा अपने बुते सत्ता नशीन होने का डॉ रमन ने कीर्तिमान बना ही लिया। उपहार में मिली सत्ता को बनाये रखने में जोगी सरकार कामयाब नहीं रही। उसी तरह ऐतिहासिक जित दर्ज कर सत्ता हासिल करने वाली भूपेश सरकार भी अलविदा कर दी गई। इससे स्पष्ट है कि जब भी राजनेता और नौकरशाह अपनी हदें पार करेंगे उन्हें खामियाजा भुगतना होगा। राजनेता, आईएएस, आईपीएस अगर बिल्डरों और कारोबारियों के साथ मिलकर कारोबार में जुट जायेंगे तो इन सब चीजों से राजपाट को नुकसान होगा ही। फ़िलहाल छत्तीसगढ़ में सुशासन की वजह से राजनीतिक हस्तक्षेप पिछले कार्यकालों की तरह नहीं है। इसलिए रिजल्ट देने वाले अच्छे अफसर भी आगे बढ़कर काम करना छह रहे हैं।

पेशेवर जीवन के इतर अपनी पहचान बनाएं

एन. रघुरामन

जीवनकाल बढ़ने के साथ कई लोगों का करियर भी लंबा हो रहा है। मुम्बई में हुए एक जॉब फेयर में 5500 से अधिक वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी से मुझे यह बात समझ आई, जो उन्हीं के आयुवर्ग के लिए आयोजित हुआ था। वह 59 साल के थे।

अपनी 38 साल पुरानी नौकरी में एक साल और जुड़ते ही उन्हें नया पदनाम मिल जाएगा– रिटायर्ड। यह उन्हें बहुत डराता है। वो उन सीनियर्स में से थे, जिनके पास अभी भी अच्छी नौकरी है। धैर्य के साथ लाइन में लग कर वे एक टेबल से दूसरी पर जा रहे थे, जहां उनकी उम्र के लिहाज से नौकरियां बताई जा रही थीं।

मैंने उनसे पूछा कि ऐसा क्यों? उन्होंने कहा उम्र से ज्यादा यह लॉजिस्टिक्स का मसला है। साउथ मुंबई में ऑफिस क्वार्टर के पास किराया बहुत ज्यादा है। उनकी पत्नी अभी उपनगरों में शिफ्ट नहीं होना चाहती, क्योंकि उनके रिटायर होने में चार साल शेष हैं।

वे मुंबई की बदतर ट्रैफिक में आना–जाना नहीं चाहतीं। चूंकि बच्चे विदेश में सेटल हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि वे अभी भी प्रोडक्टिव रह सकते हैं। उनका उत्साह कम नहीं हुआ है। उन्होंने मुझसे सवाल किया कि 'मुकेश अंबानी साठ की उम्र में भी निजी क्षेत्र के विभिन्न अति महत्वाकांक्षी व्यवसाय कर सकते हैं तो आईआईटी डिग्रीधारक होने के नाते मैं क्यों नहीं कर सकता?'

मैंने बस सिर हिला कर गुड–लक कहा। जैसे ही मैं चलने लगा तो वे पीछे से मजाकिया लहजे में बोले, 'आप तो मुझसे कहीं सीनियर हैं और सोसायटी के लिए आज भी प्रासंगिक हैं।' मैंने मुस्कुराते हुए हाथ हिला दिया।

ऐसे बहुत से सीनियर्स हैं, जो वर्कफोर्स में बने रहने के रास्ते तलाश रहे हैं। कोई भी यह तथ्य नहीं नकार सकता कि जब भारत खुद को युवा देश कहलाना पसंद करता है तो इसी वक्त कार्यस्थलों पर सीनियर्स बढ़ रहे हैं। 2050 तक 60 के पार की आबादी 34.7 करोड़ होने का अनुमान है।

लगभग हर पांच में से एक भारतीय वरिष्ठ नागरिक होगा। मुंबई जैसे बड़े शहरों में यह बदलाव दिखने भी लगा है, जहां फर्टिलिटी रेट तेजी से गिरी है और जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। बढ़ती लिविंग कॉस्ट भी उन्हें यथासंभव कमाते रहने के लिए मजबूर कर रही है।

ऐसे बहुत से कारण हैं, जिनसे लोग अधिक उम्र में भी रिटायरमेंट टालते हैं। कुछ के लिए वित्तीय कारण हैं। बहुत से ऐसे उच्च शिक्षित पेशेवर और बिजनेस मालिक हैं, जिन्हें अपने काम में बेहद आनंद आता है। लंबी उम्र तक काम करने वाले बहुत–से लोग सेल्फ-एम्प्लॉयड हैं, जिनका शायद कामकाज के समय पर अच्छा नियंत्रण है। काम का मजा लेने वालों का कहना है कि यह समाज से जोड़े रखता है। शरीर और दिमाग चुस्त रहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो कभी काम छोड़ ही नहीं पाते।

ऐसे बहुत से कारण हैं, जिनसे लोग अधिक उम्र में भी रिटायरमेंट टालते हैं। कुछ के लिए वित्तीय कारण हैं। बहुत से ऐसे उच्च शिक्षित पेशेवर और बिजनेस मालिक हैं, जिन्हें अपने काम में बेहद आनंद आता है। लंबी उम्र तक काम करने वाले बहुत–से लोग सेल्फ-एम्प्लॉयड हैं, जिनका शायद कामकाज के समय पर अच्छा नियंत्रण है। काम का मजा लेने वालों का कहना है कि यह समाज से जोड़े रखता है। शरीर और दिमाग चुस्त रहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो कभी काम छोड़ ही नहीं पाते।

कई ऑर्गेनाइजेशन बुजुर्गों को रखना चाहते हैं, ताकि ग्राहकों को समझने की उनकी योग्यता का फायदा उठा सकें। उन्हें समस्या हल करने वाला माना जाता है। वे समय से आते हैं और अनुशासन से काम करते हैं। युवा कर्मचारी भी उनसे सीखते हैं। ऐसे बहुत से ऑर्गेनाइजेशन हैं, जिन्होंने कई सारे मुख्य अनुभव अधिकारियों (सीएक्सओ) को अपने सभी वर्टिकल्स में 'ग्रैंड मैनेजर' के तौर पर नियुक्ति दी है।

पैसे से अधिक उनके लिए प्रासंगिकता और उद्देश्य जरूरी है। 'विजडम सर्कल' जैसे ग्रुप्स प्रोजेक्ट आधारित कामकाज और एडवायजरी भूमिकाओं की तलाश में रहते हैं। ग्रुप के पास एक लाख से ज्यादा वरिष्ठ सदस्य हैं, जो 1200 संगठनों के साथ काम करते हैं।

कंपनियों को एक बात समझनी होगी कि सीनियर्स कामकाज में अपना ज्ञान देने को तैयार है, लेकिन फुल–टाइम नहीं। किसी कंस्ट्रक्शन कंपनी का सीनियर इंजीनियर साइट इंचार्ज के तौर पर रिटायर हो सकता है, लेकिन यदि वो प्लंबिंग में बेहतर है तो उन्हें जीवनभर सर्वश्रेष्ठ प्लंबर के तौर पर याद किया जाएगा। प्लंबिंग संबंधी कोई भी समस्या सुलझाने के लिए उन्हें ही कॉल किया जाएगा।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-राजनीतिक नचकहार मन के अक्कल ऊपर कभू-कभू खिसियानी घलो लागथे जी भैरा.

-हाँ लागथे तो जी कोंदा.. फेर.. हो का गे हे संगी?

-अरे का बताबे संगी.. हमन हर बछर 28 नवंबर के छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस मनाथन ना?

-हव.. काबर ते 28 नवंबर 2007 के छत्तीसगढ़ विधानसभा म सर्वसम्मति ले छत्तीसगढ़ी ल हिंदी संग समिलहा इहाँ के राजभाषा के रूप म मान्यता दे के प्रस्ताव पास करे गे रिहिसे.

-सही कहे.. तब ले हर बछर 28 नवंबर के कतकों सामाजिक, सांस्कृतिक अउ राजनीतिक संगठन मन के संगे-संग जम्मो भाखा प्रेमी मन ए दिन राजभाषा छत्तीसगढ़ी ले संबंधित कतकों आयोजन करत रहिथें.

-हव जी.. हमू मन सँघरथन.

-फेर मोला ताज्जुब ए बात के लागिस संगी के इहाँ के एक झन विधायक ह 27 नवंबर के ही छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस मनाए के बधाई देवत रिहिसे.. वोकर सोशलमीडिया एकाउंट म जेन बधाई संदेश पोस्ट होय हे, तेमा 27 नवंबर ल छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस लिखे गे रिहिसे.

-ताज्जुब हे संगी.. विधायक होके अइसन गलती गा!

-एकरो ले बड़का ताज्जुब के बात ए आय संगी के वो विधायक ल छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के कार्यक्रम मन म सरलग पहुना बना के बलाए जाथे!

10% ऐसा करिए जो सेवा हो

कुंवर राजभूषण सिंह

समय आ गया है, बिकने के लिए तैयार हो जाएं। लेकिन पहले अपनी कीमत तय कर लें। जिस वातावरण में आजकल हम जी रहे हैं, यह खरीद-फरोख्त की दुनिया है। तो जो भी आपकी कीमत है, उसको तराश लें और बाजार में आप उतरे ही हुए हैं। बस ध्यान रखें कि आपकी कीमत बराबर लग जाए, लेकिन आप नीलाम ना हो जाएं। डिजिटल मीडिया पर तो चौबीस घंटे सौदेबाजी चल रही है।

आपको पता भी नहीं लग रहा और आप बेचे और खरीदे जा रहे हैं। जिन संतों का मूल्य शास्त्रों के आधार पर था, उनके बोल भी रुपए के कागज से तौले जा रहे हैं। पहले शास्त्रों की समझ से विद्वत्ता तय होती थी, आजकल डिजिटल मीडिया पर रिव्यू कितने हैं, इससे व्यक्तित्व नापा जाता है। ऐसे में अपने मूल्य को शुद्ध कैसे रखें?

कहा जाता है कि 10% दान करें तो मूल आय शुद्ध हो जाती है। तो जो भी आप कर रहे हों, उसमें से 10% कुछ ऐसा करिए- जिसका नाम सेवा है। किसी भी क्षेत्र में ईमानदारी से सेवा कर लीजिए तो ये खरीद-फरोख्त हमको अशांत नहीं करेगी।

साप्ताहिक शहर सत्ता

SIR Vs FIR

संसद सत्र से पहले सोनिया-राहुल के खिलाफ केस

संसद में विपक्ष देगा साथ या अलग-थलग होगी कांग्रेस?

शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले कांग्रेस राहुल और सोनिया गांधी पर एफआईआर दर्ज होना पार्टी पर प्रभाव डाल सकता है. अब कांग्रेस को इस मुद्दे से भी लड़ना होगा. हेराल्ड मामले में कोर्ट 16 दिसंबर 2025 को अपना फैसला सुनाएगी. अगर फैसला कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को कठघरे में खड़ा करता है तो यह लड़ाई को और कमजोर कर देगा. कांग्रेस के भीतर ये उम्मीद जताई जा रही है कि कार्यकर्ता अपना रुख बदलेंगे और गांधी परिवार पर ध्यान केंद्रित करेंगे, लेकिन राहुल गांधी की प्लानिंग ऐसी नहीं थी. वह कर्नाटक के सत्ता संघर्ष को भी ठंडे बस्ते में डालना चाहते थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि 14 दिसंबर की महारैली और SIR से ध्यान भटकाया जाए. इस समय कांग्रेस को इंडिया गठबंधन के अपने सहयोगियों की जरूरत होगी. सवाल है कि डीएमके, टीएमसी, आरजेडी जैसे विपक्षी दल, जिन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं, वे संसद में गांधी परिवार का समर्थन और समर्थन करेंगे?

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार (1 दिसंबर 2025) से 19 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें सरकार 14 अहम विधेयक पेश करने जा रही है. विपक्ष 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), चीन और लाल किला के पास ब्लास्ट के मुद्दे पर केंद्र को घेरने की की तैयारी में है. संसद सत्र से पहले दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की है, जिससे राजनीति गरमा गई है.

किस मामले में राहुल और सोनिया गांधी पर हुआ केस?

लोकसभा चुनाव 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तब से इस बात जोर देते आ रहे हैं कि कांग्रेस की पहचान भ्रष्टाचार से जुडी हुई है, जिसकी पहुंच गांधी परिवार तक है. EOW के एफआईआर में राहुल और सोनिया गांधी के अलावा 3 कंपनियों और 6 अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं. इन सभी पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) को धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप है.

कांग्रेस नेता पर क्या है आरोप?

यह मामला उन आरोपों पर आधारित है कि नेताओं और उनके सहयोगियों ने मिलकर उस कंपनी का गलत तरीके से नियंत्रण हासिल किया, जो पहले कांग्रेस से जुड़ी थी और जिसकी संपत्ति लगभग 2,000 करोड़ रुपये की थी. 3 अक्टूबर को दर्ज एफआईआर के अनुसार, यह अधिग्रहण यंग इंडियन के जरिए किया गया. यंग इंडियन में राहुल और सोनिया गांधी की 76 फीसदी हिस्सेदारी हैं.ईडी ने पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66 (2) के तहत उपलब्ध शक्तियों का इस्तेमाल किया. यह धारा संघीय एजेंसी को कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए साक्ष्य साझा करने की अनुमति देती है, ताकि वह जांच को आगे बढ़ाने के लिए धन शोधन का मामला दर्ज कर सके. प्राथमिकी ईडी के मामले और आरोपपत्र को मजबूत करने का काम करेगी.

कांग्रेस हाईकमान पर हुआ केस तो भड़की पार्टी

यह मामला दिल्ली के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश से संबंधित है, जिसने 26 जून 2014 को नेशनल हेराल्ड के मामलों में कथित अनियमितताओं के खिलाफ बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत पर संज्ञान लिया था. प्राथमिकी में ईडी की ओर से 4 सितंबर को ईओडब्ल्यू को भेजे गए पत्र में लगाए गए आरोपों का संज्ञान लिया गया है. कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, "न तो नई शराब है, न नई बोतल और न ही नया गिलास. यह एक ऐसा अनोखा मामला है जहां न तो कोई पैसा इधर-उधर हुआ, न ही कोई अचल संपत्ति हस्तांतरित हुई, फिर भी धन शोधन का मामला खोज लिया गया." उन्होंने कहा कि जब भी पार्टी कोई मुद्दा उठाना चाहती है तो ऐसे पुराने मामले फिर से उछाल दिए जाते हैं.

'कोर्ट का फैसला स्याही से लिखा जाता है, रेत पर नहीं : न्यायाधीश नागरत्ना

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी.वी नागरत्ना ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है. उन्होंने कहा है कि कोर्ट के फैसलों को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें लिखने वाले न्यायाधीश बदल गए हैं या पद छोड़ चुके हैं. उन्होंने शीर्ष अदालत की बाद की पीठों की तरफ से फैसलों को पलटने की हाल की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए ये टिप्पणी की है.

हरियाणा में एक कार्यक्रम में पहुंचीं थीं जस्टिस

न्यायमूर्ति नागरत्ना शनिवार को हरियाणा के सोनीपत में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रही थीं. उन्होंने कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता की विकसित समझ यह अपेक्षा करती है कि "हमारा विधिक तंत्र यह आश्वासन दे" कि किसी न्यायाधीश द्वारा दिया गया फैसला समय की कसौटी पर कायम रहे, क्योंकि वह "स्याही से लिखा जाता है, रेत पर नहीं."उन्होंने कहा, "कानूनी बिरादरी और प्रशासनिक ढांचे के सभी प्रतिभागियों का यह कर्तव्य है कि वे किसी निर्णय का सम्मान करें. केवल कानून में निहित परंपराओं के अनुसार ही आपत्तियां उठाएं और केवल इसलिए उसे खारिज न करें, क्योंकि चेहरे बदल गए हैं. शीर्ष अदालत ने मई में पारित अपने उस आदेश को इस महीने की शुरुआत में वापस ले लिया था, जिसमें विकास परियोजनाओं के लिए पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी पर रोक लगा दी गई थी. भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 28 नवंबर को एक बिल्डर एसोसिएशन की समीक्षा याचिका को स्वीकार कर लिया और विभिन्न परियोजनाओं के लिए पूर्वव्यापी पर्यावरणीय मंजूरी पर प्रतिबंध हटा दिया.इसी तरह, सितंबर में शीर्ष अदालत ने कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के माध्यम से भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) का अधिग्रहण करने के लिए स्टील प्रमुख जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की बोली को बरकरार रखा. इसके लिए अदालत ने मई के अपने आदेश को पलट दिया, जिसमें कंपनी के परिशोधन का निर्देश दिया गया था।

भारतीयों से अमेरिका को बहुत फायदा हुआ ट्रंप के खिलाफ फिर खुलकर आए मस्क

वाशिंगटन। अमेरिका में जारी एच-1बी वीजा को लेकर जारी चर्चा के बीच टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली भारतीयों से अमेरिका को बहुत फायदा हुआ है. उन्होंने अमेरिका में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को आकार देने में अप्रवासी प्रतिभाशाली की भूमिका को स्वीकार किया है.

एलन मस्क ने वैश्विक कंपनियों में शीर्ष पद पर भारतीय मूल के लोगों के होने का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, "वेस्टर्न कंपनियों में हमारे सभी भारतीय मूल के सीईओ हैं." ब्रोकिंग फर्म जीरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ के पॉडकास्ट में मस्क ने कहा, "अमेरिका लंबे समय से दुनिया भर से इंटेलिजेंट लोगों को आकर्षित करता रहा है, जिस वजह से भारत में पलायन की स्थिति भी पैदा हुई. मुझे लगता है कि अमेरिका आए प्रतिभाशाली भारतीयों से अमेरिका का बहुत फायदा हुआ है."

एच-1बी वीजा और इमिग्रेशन पर राय

व्हाइट हाउस ने मंगलवार (25 नवंबर 2025) को एच-1बी वीजा पर डोनाल्ड ट्रंप की सोच का बचाव करते हुए कहा कि इस मामले पर राष्ट्रपति का नजरिया संतुलित और सामान्य समझ पर आधारित है. व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप विदेशी कामगारों को केवल शुरुआती समय में आने देंगे, ताकि बड़ी कंपनियां जब अमेरिका में नए कारखाने लगाएं तो काम शुरू हो सके, लेकिन आगे चलकर उन जगहों पर अमेरिकी कामगार ही रखे जाएंगे.उन्होंने कहा कि कई लोग राष्ट्रपति की सोच को ठीक से समझ नहीं पाए हैं. ट्रंप ने विदेशी कंपनियों से साफ कहा है कि अगर वे अमेरिका में निवेश कर रही हैं तो उन्हें अमेरिकी लोगों को ही नौकरी देनी होगी. यह बयान ऐसे समय पर आया है जब कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने लीगल इमिग्रेशन का समर्थन किया था।

नेतन्याहू ने इजरायली राष्ट्रपति से मांगी माफी

नई दिल्ली। बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली राष्ट्रपति से अपने खिलाफ चल रहे मामले को खत्म कराने और बेगुनाह करार दिए जाने को लेकर क्षमादान अपील की है. उन्होंने पांच साल से चल रहे भ्रष्टाचार मामले को खत्म करने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह माफी लोक हित में होगी. द टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार आइजैक हर्जोग के कार्यालय ने प्रधानमंत्री के वकील से 111 पन्नों के विस्तृत दस्तावेज मिलने की बात मानी और कहा कि इसे न्याय मंत्रालय के माफी विभाग को भेज दिया गया है. इसमें आगे कहा गया कि हर्जोग के फैसला लेने से पहले राष्ट्रपति के कानूनी सलाहकार भी एक राय बनाएंगे. उनके कार्यालय के एक बयान में कहा गया, "राष्ट्रपति के दफ्तर को पता है कि यह एक बहुत बड़ा अनुरोध है जिसके बड़े मतलब हैं. सभी जरूरी राय मिलने के बाद, राष्ट्रपति जिम्मेदारी से और ईमानदारी से इस अनुरोध पर विचार करेंगे." इजरायल में सजा से पहले राष्ट्रपति की ओर से क्षमादान दिए जाने का मामला न के बराबर है।

डिजिटल करेंसी के इस दौर में भी सोना सुरक्षा, स्थिरता और धन का प्रतीक

अमेरिका के पास है 8133 टन सोना

नई दिल्ली। सोना शुरुआत से ही संपन्नता का प्रतीक माना जाता रहा है. आमतौर पर भी ज्यादा सोना हमेशा से अमीरों के पास ही रहा है. हालांकि, गहनों की चमक-दमक से ज्यादा सोना दुनिया भर के देशों की अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ भी माना जाता है. डिजिटल करेंसी के इस दौर में भी सोना सुरक्षा, स्थिरता और धन के प्रतीक के लिहाज से आज भी सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बना हुआ है. ऐसे में सवाल ये उठता है कि दुनिया के किस मुल्क के पास से सबसे ज्यादा सोना है.

दुनिया में सबसे ज्यादा सोना किसके पास

ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के पास सितंबर 2025 तक 8133 टन सोना है. दरअसल, अमेरिका लंबे समय से सोने का सबसे बड़ा भंडार रखने वाला देश है और साल 2000 से लगभग अमेरिका का सोना स्थिर है. इसी कारण इस लिस्ट में अमेरिका पहले नंबर पर है. यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश जर्मनी के पास 3,350 टन सोना है, जो साल 2000 में 3,468 टन था. इस लिहाज से जर्मनी दुनिया में सबसे ज्यादा सोना रखने वाला दूसरा देश है.

रूस के पास कितना सोना

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है इटली. सितंबर 2025 तक इस यूरोपीय देश के पास 2452 टन सोना है. भारत के खास दोस्त फ्रांस के पास मौजूदा वक्त में 2,437 टन सोना है. इस तरह दुनिया में फ्रांस सोना रखने के मामले में चौथे नंबर पर है. भारत के सबसे अच्छे मित्र देश रूस

के पास 2330 टन सोना है. रूस पांचवें नंबर पर है. ये आंकड़े सितंबर 2025 के हैं.

भारत के पास जापान से ज्यादा सोना

भारत के पड़ोसी चीन के पास 2,304 टन सोना है. इससे पहले चीन के पास 2299 टन सोना था. मतलब साफ है कि चीन धीरे-धीरे सोने का भंडार बढ़ा रहा है. सबसे ज्यादा सोना रखने वाले देशों की लिस्ट में चीन छठे नंबर पर है. यूरोप के छोटे से देश स्विट्जरलैंड के पास मौजूदा समय में 1,040 टन सोना है. वहीं, भारत की बात करें तो मौजूदा वक्त में 880 टन सोना है।

रोमांचक मुकाबले में 17 रन से जीती टीम इंडिया

पहले वनडे में बने 681 रन, विराट के शतक के बाद कुलदीप का चला जादू

भारत ने पहले वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रनों से हरा दिया है. रांची में खेले गए इस मुकाबले की दोनों पारियों में कुल 681 रन बने, वहीं विराट कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर का 83वां और ODI करियर का 52वां शतक लगाया. टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 349 रनों का स्कोर खड़ा किया था. इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम लक्ष्य से 17 रन दूर रह गई. भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट कुलदीप यादव ने लिए, जिन्होंने चार विकेट झटके.

मैच में 681 रन बने, भारत जीता

जब दक्षिण अफ्रीकी टीम 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई, तो हर्षित राणा ने अपने पहले स्पेल में रयान रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को बिना खाता खोले आउट कर दिया. अफ्रीका को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब कप्तान एडन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने 7 के स्कोर पर आउट कर दिया. अफ्रीका 11 के स्कोर तक तीनों टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों का विकेट गंवा चुकी थी. टोनी डी जोरजी और डेवाल्ड ब्रेविस को शुरुआत जरूर मिली, लेकिन वो क्रमशः 39 रन और 37 रन बनाकर आउट हो गए.

मैच में दक्षिण अफ्रीका की वापसी मार्को यान्सेन और मैथ्यू ब्रीट्जके ने करवाई, जिन्होंने छठे विकेट के लिए 97 रनों की बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी की. यान्सेन 39 गेंद में 70 रनों की तूफानी पारी खेलकर आउट हुए. कुलदीप यादव ने यान्सेन और मैथ्यू ब्रीट्जको को एक ही ओवर में आउट करके मैच का पासा भारत की ओर पलट दिया था. ब्रीट्जके ने 72 रन बनाए.कॉर्बिन बॉश ने अंतिम ओवरों में मुकाबले को रोमांचक बना दिया था. 48वें और 49वें ओवर में मिलाकर दक्षिण अफ्रीका ने 20 रन बनाए. स्थिति ऐसी थी कि प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम ओवर में 17 रन बचाने थे. सामने सेट बल्लेबाज कॉर्बिन बॉश थे, लेकिन वो बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में आउट हो गए. बॉश ने 67 रन बनाए.

कोहली-रोहित-राहुल का चला बल्ला

भारतीय टीम जब पहले बैटिंग करने आई, तो यशस्वी जायसवाल 18 रन बनाकर सस्ते में आउट हो गए थे. मगर रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाते हुए 136 रनों की पार्टनरशिप कर डाली. इस बीच रोहित ने अपने वनडे करियर की 60वीं हाफ-सेंचुरी लगाई. रोहित 57 रन बनाकर आउट हो गए.दूसरी ओर विराट कोहली ने अपनी फिफ्टी को शतक में तब्दील किया. उन्होंने 102 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की. मुकाबले में उन्होंने 120 गेंद खेलकर 135 रनों की पारी खेली, जिसके दौरान कोहली के बल्ले से 11 चौके और 7 छक्के निकले।

भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली जोड़ी बने रोहित और विराट

विराट कोहली और रोहित शर्मा का रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है. वो अब किसी भारतीय जोड़ी द्वारा सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. रोहित-विराट जैसे ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला वनडे मैच खेलने उतरे, वैसे ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. यह 392वां इंटरनेशनल मैच है, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली एकसाथ खेल रहे हैं. रोहित शर्मा और विराट कोहली ने सबसे अधिक इंटरनेशनल मैच खेलने वाली भारतीय जोड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. ये उनका 392वां इंटरनेशनल मैच है, जबकि सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने भारत के लिए एकसाथ 391 इंटरनेशनल मैच खेले थे.विराट कोहली और रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली जोड़ी होने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है. इस सूची में दूसरे स्थान पर सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ हैं, जबकि तीसरे स्थान पर राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली हैं, जिन्होंने भारतीय टीम के लिए एकसाथ 360 मैच खेले थे.

392 मैच- विराट कोहली और रोहित शर्मा

391 मैच - सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़

369 मैच - राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली

ईशान किशन ने जड़ा तूफानी शतक

नई दिल्ली। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का बल्ला जमकर गरजा है. रविवार को ईशान किशन ने दमदार शतकीय पारी खेली. सिर्फ 50 गेंद में 113 रन बनाकर ईशान ने टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दी है. ईशान किशन भारत के लिए वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक भी लगा चुके हैं. ईशान ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में त्रिपुरा के खिलाफ शतक जड़ा. झारखंड के लिए खेलते हुए ईशान ने 10 चौके और 8 छक्के जड़े. त्रिपुरा ने पहले खेलने के बाद 182 रन बनाए थे. जवाब में झारखंड ने ईशान किशन के मैच विनिंग शतक की बदौलत 15 गेंद शेष रहते दो विकेट पर 185 रन बनाकर जीत दर्ज की. ईशान किशन ने अपनी इस पारी से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने का प्रयास किया है, जो जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेंगे. किशन को विराट सिंह के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला, जिन्होंने 40 गेंद में नाबाद 53 रन की पारी खेली. एक अन्य मैच में राजस्थान ने अंतिम लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए कर्नाटक को बेहद रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया. राजस्थान ने पहले बल्लेबाज करते हुए पांच विकेट पर 201 रन बनाए थे।

अमेरिकी प्रतिबंध का असर नहीं भारतीय निर्यात में दिख रहा उछाल

नई दिल्ली। भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के बावजूद भी भारतीय निर्यात में उछाल देखने को मिल रही है. वाणिज्य मंत्रालय ने संसदीय समिति को जानकारी दी है कि, अप्रैल से अक्टूबर महीने के बीच भारत के आउटबाउंड शिपमेंट पिछले साल की इस अवधि की तुलना में ग्रोथ को दिखा रही है. जिसका सीधा अर्थ है कि, भारत ने निर्यात मामलों में मजबूती दिखाई हैं. जिससे केंद्र सरकार की रणनीतियों को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं. भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ मुद्दे को लेकर लगातार बातचीत जारी हैं. हालांकि, अभी तक कई चरणों की आधिकारिक मीटिंग के बाद भी किसी तरह के नतीजे सामने नहीं आए हैं. दोनों देशों की ओर से सकारात्मक परिणाम की उम्मीद की जा रही हैं...

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने संसदीय स्थायी समिति की बैठक के दौरान कहा कि, अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ का भारत के निर्यात पर कोई बड़ा नकारात्मक असर देखने को नहीं मिला है. मीटिंग के दौरान मंत्रालय ने इस बात का भरोसा जताया है कि, देश घरेलू उत्पाद और मजबूत चेन सप्लाई होने के कारण निर्यात में वृद्धि बनाए रखने में पूरी तरह सक्षम है.मीटिंग का अध्यक्षता टीएमसी सांसद डोला सेन के नेतृत्व में संपन्न हुई. इस दौरान कई सदस्यों की ओर से सवाल भी उठाए गए।

IPL से आंद्रे रसेल का संन्यास, लेकिन KKR का नहीं छूटेगा साथ

नई दिल्ली। आंद्रे रसेल ने आईपीएल से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है. 2014 से कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल रहे आंद्रे रसेल को आगामी सीजन (IPL 2026) से पहले केकेआर ने रिटेन नहीं किया था. रसेल एक शानदार ऑलराउंडर हैं, इसलिए माना जा रहा था कि उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सभी फ्रेंचाइजियों के बीच ऑक्शन में कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है. लेकिन उससे पहले ही रसेल ने आईपीएल से संन्यास का एलान कर दिया है. आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने सिर्फ 12 खिलाड़ियों को ही रिटेन किया था. सबसे चौंकाने वाली बात ये थी कि इसमें आंद्रे रसेल का नाम नहीं था, जो केकेआर के पोस्टर बॉय के तौर पर जाने जाते थे. आंद्रे रसेल ने आईपीएल से रिटायरमेंट का एलान करते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें केकेआर में बिताए उनके कुछ यादगार लम्हें थे. इसके साथ बताया कि वह IPL 2026 में केकेआर में एक नए रोल में नजर आएंगे.

सोशल मीडिया पर संदेश

आंद्रे रसेल ने लिखा, "IPL से संन्यास ले रहा हूं, लेकिन स्वैग नहीं छोड़ रहा. आईपीएल करियर शानदार रहा, 12 सीजनों की यादें, और केकेआर परिवार से मिला ढेर सारा प्यार. मैं दुनिया की अन्य क्रिकेट लीग में छक्के मारता रहूंगा और विकेट लेता रहूंगा."रसेल ने आगे लिखा, "और सबसे अच्छी बात क्या है? कि मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं. आप मुझे एक नए रोल में देखेंगे, केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में, 2026 के पावर कोच के तौर पर. नया चैप्टर, नई एनर्जी. हमेशा नाइट के लिए."

एक्सपर्ट्स ने बताया अगले हफ्ते कितनी होगी सोने की चमक

क्या फिर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच जाएगा सोना?

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में इस बीच कुछ कमी आई, तो लोगों ने राहत की सांस ली थी. लेकिन इसके एक बार फिर से रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले समय में निवेशक अमेरिका में ब्याज दर को लेकर फेड रिजर्व के फैसले और रिजर्व बैंक की MPC बैठक को लेकर अलर्ट मोड में रहेंगे. इसके अलावा, अमेरिका में जॉब व महंगाई के आंकड़े, रूस-यूक्रेन के बीच पीस डील जैसे घटनाक्रम भी फोकस में रहेंगे.

कई बड़े घटनाक्रमों पर फोकस

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, JM फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के EBG - कमोडिटी और करेंसी रिसर्च के वाइस प्रेसिडेंट प्रणव मेर ने कहा, "सोना कंसोलिडेशन रेंज से बाहर निकल रहा है क्योंकि इन्वेस्टर्स अलग-अलग इलाकों के मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज PMI डेटा, US जॉब्स डेटा और कंज्यूमर सेंटिमेंट पर ध्यान दे रहे हैं. उन्होंने कहा, " सोमवार को फेड चेयर जेरोम पॉवेल का भाषण, रूस-यूक्रेन शांति वार्ता के डेवलपमेंट और शुक्रवार को RBI की पॉलिसी मीटिंग होगी, इन सभी पर ट्रेडर्स की नजर रहेगी."

इंटरनेशनल मार्केट में बढ़ी कीमत

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर फरवरी 2026 कॉन्ट्रैक्ट के लिए गोल्ड फ्यूचर्स पिछले हफ्ते 3,654 रुपये या 2.9 परसेंट बढ़कर शुक्रवार को 1,29,504 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ. वहीं, पिछले हफ्ते के दौरान इंटरनेशनल मार्केट में दिसंबर डिलीवरी के लिए कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स में 138.8 अमेरिकी डॉलर या 3.4 परसेंट का इजाफा हुआ और शुक्रवार को यह 4,218.3 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ. इसी तरह से भारतीय बाजारों में डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव और घरेलू डिमांड ने सोने की कीमतों पर असर डाला है. एंजेल वन के प्रथमेश माल्या के अनुसार, त्योहारों का मौसम, शादियों का जश्न और ज्वेलरी की लगातार खरीदारी से कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी बनी हुई है. सेंट्रल बैंक आने आने वाले समय में भी सोने की खरीद जारी रखेंगे इस बात की उम्मीद जताई जा रही है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि हो सकता है सोना आने वाले समय में रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंचे क्योंकि लगातार रेट-कट की उम्मीदें, US डॉलर की कमजोरी के बीच सेफ-हेवन की डिमांड बरकरार रहेगी.

साप्ताहिक शहर सत्ता

बस्तर: फ़ोर्स के सामने 37 नक्सलियों ने डाले हथियार

27 ऐसे नक्सली शामिल हैं जिन पर कुल 65 लाख रुपये का ईनाम घोषित

शहर सत्ता/रायपुर/दंतेवाड़ा। रविवार को दंतेवाड़ा जिले में पुलिस के समक्ष 37 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया जिनमें 27 ऐसे नक्सली शामिल हैं जिन पर कुल 65 लाख रुपये का ईनाम घोषित था। जिन्हें पुलिस नक्सली संगठन से जुड़े होने के रूप में चिह्नित करती रही है। पुलिस के अनुसार पिछले 20 महीनों में दंतेवाड़ा जिले में 165 इनामी व्यक्तियों सहित 508 लोगों ने आत्मसमर्पण किया है। लोन वर्राटू अभियान के तहत पुलिस अभिलेखों के अनुसार 333 इनामी व्यक्तियों सहित कुल 1,160 लोगों ने आत्मसमर्पण की प्रक्रिया अपनाई है।

- 20 महीनों में दंतेवाड़ा जिले में 165 इनामी सहित 508 का आत्मसमर्पण

पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों ने राज्य सरकार की पुनर्वास नीति पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) के तहत आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों में कुछ वे लोग भी शामिल हैं, जिन पर वर्ष 2020 में मिनपा क्षेत्र में पुलिस दल पर हमले में संलिप्त होने का आरोप है। उस घटना में सुरक्षा बलों के जवानों की मृत्यु और घायल होने की सूचना पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज है। आत्मसमर्पण की प्रक्रिया डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में संपन्न हुई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में कुमली उर्फ अनिता मण्डावी-4 लाख, गीता उर्फ लखमी उर्फ लक्ष्मी मड$काम 8 लाख, रंजन उर्फ सोमा मण्डावी-8 लाख, भीमा उर्फ जहाज कलमू-8 लाख, क्रांति उर्फ पोदिये गावड़े 5 लाख, कुमारी मुन्नी कर्मा 2 लाख, लक्ष्मी अटामी 2 लाख, कृष्णा पदामी 2 लाख, मंगड़ी उर्फ मंगली हेमला -2 लाख, दशरू डोडी-2 लाख, नंदू मंडावी-2 लाख, विज्जा मिच्चा-2 लाख, हिड़मे कुहड़ाम 1 लाख, रोशनी उर्फ हुंगी सोड़ी 1 लाख, राजू उर्फ गांधी लेकाम 1 लाख, जनकू वेको 1 लाख, बुधराम माड़वी-1 लाख, सुखमति उर्फ सुक्की ताती 1 लाख, सुकलू कडियाम 1 लाख, टाकलू उर्फ अजय कश्यप -1 लाख, बामन मण्डावी-1 लाख, अर्जुन कुजाम 1 लाख, कुमारी सोमारी परसा 1 लाख, विजय ओयाम 1 लाख, फुलमती उर्फ शांति वेको 1 लाख, नितेश उर्फ बदरू अलामी -50 हजार, सुखराम कुहड़ाम 50 हजार, मारा राम लेकाम, हेमला बुगुर, बबलु ओयाम, मंगडू लेकाम, बामन उर्फ साई कुंजाम, मल्ला बारसे, पांडू ताती, नंदा मड$काम, देवे मडकाम, लिंगा कुंजाम है। पुलिस के अनुसार पोदिये उर्फ क्रांति गावड़े वर्ष 2024 में गोबेल और थुलथुली क्षेत्र की मुठभेड़ घटनाओं में शामिल होने का आरोप। कुमली उर्फ अनिता मण्डावी – वर्ष 2024 की मुठभेड़ों में शामिल होने का आरोप। भीमा उर्फ जहाज कलमू मई 2019 व मार्च 2020 (मिनपा) घटनाओं में संलिप्त होने का आरोप। हुंगी उर्फ रोशनी सोड़ी – वर्ष 2024 की मुठभेड़ घटनाओं में शामिल होने का आरोप। टाकलू उर्फ अजय कश्यप वर्ष 2024 की थुलथुली मुठभेड़ में शामिल होने का आरोप।

रायपुर सेंट्रल जेल में "खेल तरंग 2025"

- बैडमिंटन-वॉलीबॉल-शतरंज जैसे गेम्स
- अच्छे व्यवहार वाले 300 कैदी शामिल

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर सेंट्रल जेल में बंदियों के लिए खेल-कूद महोत्सव "खेल तरंग 2025" की शुरुआत की गई है। इसका मोटिव बंदियों में अनुशासन, टीम वर्क, शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और तनाव कम करने जैसा सकारात्मक माहौल विकसित करना है। इस खेल महोत्सव में करीब 300 बंदी भाग ले रहे हैं। इसमें केवल अच्छे आचरण वाले बंदियों को शामिल होने का अवसर दिया गया है। जेल प्रशासन की ओर से सभी प्रतिभागियों को स्पोर्ट्स किट व खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। ये प्रतियोगिता करीब एक महीने तक चलेगी।

बैडमिंटन, वॉलीबॉल अलग-अलग गेम होंगे

खेल महोत्सव में हर एक बैरक से चयनित बंदी बैडमिंटन, वॉलीबॉल, शतरंज और कैरम जैसे चार खेलों में प्रतिभा दिखा रहे हैं। महोत्सव के अंतिम दिन विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को "जेल खेल चैंपियन 2025" अवॉर्ड दिया जाएगा। समारोह की शुरुआत जेल अधीक्षक, उप अधीक्षक और जेल अधिकारियों की मौजूदगी में हुई।

नए विधानसभा भवन में शीतकालीन सत्र का होगा पहला सेशन

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पहली बार नया रायपुर के नए भवन में विधानसभा सत्र होगा। शीतकालीन सत्र 14 से 17 दिसंबर तक चार दिन चलेगा। इस सत्र में धर्मांतरण संशोधन विधेयक लाया जाएगा। सीएम विष्णु देव साय ने मीडिया से कहा कि डेढ़ साल की एक्सरसाइज के बाद यह विधेयक शीतकालीन सत्र पेश किया जाएगा।

राज्य सरकार धर्मांतरण पर रोक को सख्ती से लागू करने की दिशा में धर्मांतरण संशोधन विधेयक ला रही है। विधेयक इसलिए भी चर्चा का विषय है क्योंकि बीते करीब एक वर्ष से प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर कई तरह के मामले सामने आए हैं। प्रदेश के किसी न किसी इलाके से हर रविवार धर्मांतरण के आरोपों को लेकर स्थिति बन रही है। इसलिए यह विधेयक अहम माना जा रहा है।

शीतकालीन सत्र के लिए कुल 628 प्रश्न लगाए गए हैं, जिनमें 333 तारांकित और 295 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। विधायक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से अपने सवाल प्रस्तुत कर रहे हैं। विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की रूपरेखा भी तय हो चुकी है। सत्र की शुरुआत पहले दिन 'विकसित भारत 2047' विषय पर चर्चा से होगी।

जीएडी ने छुट्टी के दिन जारी किया लेटर, इन वर्ग के अफसर भी बायोमेट्रिक के दायरे में

मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस, आते-जाते लगानी होगी हाजिरी

शहर सत्ता/रायपुर। मंत्रालय में आखिरकार कल से बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम प्रारंभ हो जाएगा। हालांकि, अधिकारी तबका इसके लिए तैयार नहीं था मगर मुख्य सचिव ने आदेश देकर इसे लागू कराया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस साल एक जनवरी को मंत्रालय के अधिकारियों और एचओडी की बैठक लेकर अफसरों की टाईमिंग का मुद्दा उठाया था। उन्होंने इसके लिए बायोमेट्रिक सिस्टम प्रारंभ करने कहा था। मगर ऐसा हो नहीं पाया।

विकास शील जब मुख्य सचिव बने तब बायोमेट्रिक अटेंडेंस की सुगबुगाहट शुरू हुई। कलेक्टर कांफ्रेंस में उन्होंने सभी से साफ तौर कह दिया था कि महीने भर के भीतर बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम प्रारंभ कर दिया जाए। इसके बाद तैयारी तेज हो गई। उन्होंने एक दिसंबर का डेडलाइन दिया था। मंत्रालय में कल से बहुप्रतीक्षित सिस्टम चालू हो जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने आज रविवार अवकाश के दिन भी इसके लिए आदेश निकालकर सभी को आगाह किया। जीएडी सिकरेट्री अविनाश चंपावत ने

समस्त भारसाधक सचिवों से कहा है कि एक दिसंबर से बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रारंभ हो जाएगा। इसके लिए महानदी के गेट पर बायोमेट्रिक डिवाइस लगा दिया गया है। या फिर मोबाइल ऐप्प के माध्यम से हाजिरी लगाई जा सकती है। मंत्रालय में आने और जाने दोनों टाईम पर हाजिरी लगानी होगी। ऐसा न करने पर अधिकारियों को अनुपस्थित माना जाएगा। जीएडी सिकरेट्री के लेटर के अनुसार मंत्रालय के अवर सचिव और उससे उपर के समस्त अधिकारियों को बायोमेट्रिक डिवाइस से हाजिरी लगानी होगी। अवर सचिव के उपर माने चीफ सिकरेट्री से लेकर सचिव तक।

बड़े अफसरों को होगी दिक्कत

मंत्रालय में टाईमिंग को लेकर कोई कल्चर डेवलप नहीं हो पाया था। 11 बजे कोई मीटिंग न रहे तो 90 परसेंट से अधिक अधिकारी दोपहर 12 बजे तक आॅफिस पहुंचते थे। वापसी का भी कोई टाईम नहीं था। तीन बजे के बाद गिने-चुने अधिकारी मंत्रालय में पाए जाते थे। मगर अब कुछ दिनों से स्थिति बदली है। अब 70 परसेंट अफसर 10 बजे मंत्रालय पहुंच जा रहे। बायोमेट्रिक अटेंडेंस प्रारंभ होने से अब सभी को टाईम पर आना पड़ेगा। हालांकि, दिल्ली डेपुटेशन से लौटे अधिकारियों को उतनी दिक्कत नहीं होगी। कारण कि वहां सुबह नौ बजे आॅफिस पहुंचना होता है और सिकरेट्री तक आते ही अटेंडेंस लगाते हैं।

IND-SA से पहले भिड़ी BJP-CONG.

कांग्रेस बोली-सत्ता के नेताओं को दिए टिकट, आम लोग परेशान;

BJP नेता ने कहा- मेरे यहां कोई टिकट नहीं आया, भ्रम फैला रहा विपक्ष

सोशल मीडिया में ढाई हजार की टिकट 5 हजार में ब्लैक करने वाली पोस्ट

आयोजकों और सीएससीएस की बदइंतजामी को लेकर क्रिकेट प्रेमी हताश

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मुकाबले से पहले मैच की टिकट को लेकर कांग्रेस-भाजपा में जुबानी जंग शुरू हो गई है। आयोजकों और भाजपा नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि टिकटों की खुलकर काला बाजारी हो रही है और क्रिकेट प्रेमियों के साथ साथ छात्रों को भी टिकट लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस संचार अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया है कि आयोजकों ने बड़ी संख्या में कंप्लीमेंट्री टिकट मंत्रियों, सत्तारूढ़ दल के नेताओं और अधिकारियों को पहुंचा दिए है।

वहीं इसके पलटवार में भाजपा प्रवक्ता देव लाल ठाकुर का कहना है कि मैं खुद भाजपा नेता हूं, लेकिन मेरे यहां तो टिकट नहीं आया है, कांग्रेस भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

30 मिनट में वेब साइट बंद करने का दावा

कांग्रेस का दावा है कि क्रिकेट संघ ने टिकटों को ऑनलाइन बेचने की घोषणा की थी, लेकिन वेबसाइट मात्र 30 मिनट में ही बंद कर दी गई। जिन्होंने ऑनलाइन टिकट बुक भी की उनको, मैन्युअल टिकट लेने के लिए इंडोर स्टेडियम बुला लिया गया, जहां हालात और बिगड़ गए। इंडोर स्टेडियम में टिकट लेने पहुंची भारी भीड़ घंटेभर लाइन में खड़ी रही, लेकिन वहां भी टिकट काउंटर थोड़े ही समय में बंद कर दिए गए।

सारे टिकट मंत्रियों के बंगले भेजे जा रहे हैं

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि छात्रों को रियायती टिकट देने की घोषणा तो की गई, लेकिन असल में किसी भी छात्र को रियायत नहीं मिली। पार्टी का कहना है कि "छात्र घंटों भटके, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। ज्यादातर टिकट पीछे के दरवाजे से बेच दिए गए। आम जनता पैसे देकर भी टिकट नहीं खरीद पा रही है।"

VIP को भेजे जा रहे कंप्लीमेंट्री टिकट - सुशील आनंद शुक्ला

कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला का आरोप है कि आयोजकों ने बड़ी संख्या में कंप्लीमेंट्री टिकट मंत्रियों, सत्तारूढ़ दल के नेताओं और अधिकारियों को पहुंचा दिए, जबकि आम लोग टिकट के लिए परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई से बना स्टेडियम आज आम लोगों के लिए पहुंच से बाहर हो गया है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर का वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 2001 में जनता के टैक्स के पैसों से बना था। आज उसी स्टेडियम में मैच देखने के लिए जनता को धक्के खाने पड़ रहे हैं, जबकि स्टेडियम क्रिकेट संघ को मुफ्त में सौंप दिया गया। यह जनता के अधिकारों का हनन है।

मैं भाजपा नेता हूं, मेरे घर तो नहीं आया टिकट: देवलाल ठाकुर

कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग मैच देखने जाना चाहते हैं, जो स्टेडियम की क्षमता से ज्यादा है, मैं खुद भाजपा नेता हूं, लेकिन मेरे यहां तो टिकट नहीं आया है, कांग्रेस भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

सोशल मीडिया पर टिकटों की कालाबाजारी

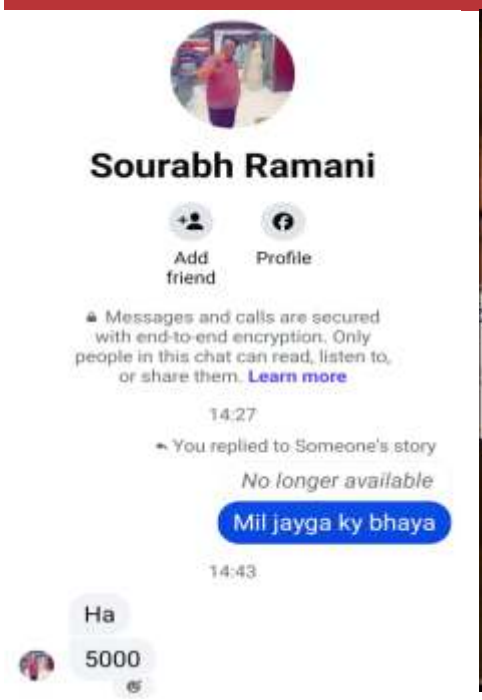

'तेरे इश्क में' को मिली तगड़ी ओपनिंग

धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट रखा है. 28 नवंबर को फिल्म रिलीज हुई और उस दिन से बॉक्स ऑफिस पर पहले से मौजूद फिल्मों और साथ में रिलीज हुई फिल्मों (गुस्ताख इश्क और जूटोपिया 2) को मीलों पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गई. आज फिल्म का थिएटर्स में तीसरा दिन है और फिल्म की शुरुआती कमाई से जुड़े जो आंकड़े सामने आए हैं उन्हें देखकर लग रहा है कि फिल्म पिछले दोनों दिनों की कमाई से ज्यादा आज कमा लेगी. तो चलिए जान लेते हैं कि फिल्म ने अभी तक टोटल कितना कमा लिया है.

कृति सेनन के मुरीद हुए नेटिजंस, बोले- 'लेडी कबीर सिंह'

आनंद एल राय की 'तेरे इश्क में' अब लंबे इंतजार के बाद फाइनली थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है. इसमें धनुष और कृति सेनन को फिल्म को सुपरहिट बनाने की कमान सौंपी गई है. साथ ही कई और एक्टर्स ने भी अपना अहम योगदान दिया. लेकिन अब रिलीज के बाद कृति सेनन ने दमदार परफॉर्मेंस से पूरी लाइमलाइट अपने नाम कर ली है.सोशल मीडिया पर हर कोई सिर्फ 'तेरे इश्क में' के मुक्ति की ही तारीफ करने में लगा हुआ है. नतीजा ऐसा हुआ कि कई लोग तो कृति सेनन को आलिया भट्ट से भी कंपेयर कर रहे हैं. यहां जानें सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर क्या बातें हो रही हैं. 'तेरे इश्क में' रिलीज के बाद सभी कृति सेनन के एक्टिंग के दीवाने हो गए हैं. उन्होंने अपने रोल से इस कदर ऑडियंस को इंप्रेस किया कि अब सभी की जुबान पर अब सिर्फ उनका ही नाम है. एक यूजर ने अपने एक्स हैंडल पर कृति सेनन की तारीफ में पोस्ट शेयर किया है।

फिल्म ने ओपनिंग डे पर 16 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया और इस साल की टॉप 10 ओपनिंग वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई. दूसरे दिन का कलेक्शन बढ़कर 17 करोड़ हो गया.

वहीं आज यानी तीसरे दिन 10:25 बजे तक 'तेरे इश्क में' ने 18.75 करोड़ कमाते हुए टोटल 51.75 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. बता दें कि सैक्निल्क पर उपलब्ध आज का डेटा अभी फाइनल नहीं है. इसमें बदलाव हो सकता है.

'तेरे इश्क में' का बजट और वर्ल्डवाइड कलेक्शन

आनंद एल राय के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को फिल्मीबीट के मुताबिक 85 करोड़ के बजट में तैयार किया गया है. सैक्निल्क के मुताबिक इसकी वर्ल्डवाइड कमाई दो दिन में 44.25 करोड़ रुपये हो चुकी है. 'तेरे इश्क में' ने फर्स्ट वीकेंड में 50 सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्मों पर पड़ी भारी फिल्म न सिर्फ धाकड़ कमाई कर रही है।

इस साल इंडिया में रिलीज हुई अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री की 50 सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. सैक्निल्क की टॉप 100 सबसे ज्यादा कमाई वाली 2025 की फिल्मों की लिस्ट में इस फिल्म ने तीसरे ही दिन 51वीं जगह अपने नाम कर ली है. फिल्म ने सुपरमैन (49.79 करोड़), ठग लाइफ (48.16 करोड़) और सन ऑफ सरदार 2 (47.03 करोड़) जैसी तमाम फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे कर दिया है.

इंटरनेट हमें मंदबुद्धि बना रहा है: नवाजुद्दीन

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी आने वाली वेब सीरीज 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' और फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और बताया कि कैसे वे अपने शुरुआती दिनों में बिना ब्रेक लिए एक ही दिन में तीन-तीन प्ले की रिहर्सल किया करते थे. नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मीडिया से कहा कि मैं ये नहीं कहूंगा कि हमारा समय बहुत अच्छा होगा, लेकिन हमारे समय पर इंटरनेट नहीं था और हमारे पास बहुत सारा समय होता था. उस वक्त हमारा सारा फोकस हमारे काम पर होता था और हम एक दिन में तीन-तीन प्ले की प्रैक्टिस करते थे, लेकिन आज सबके पास फोन है और अभी जानकारी के तौर पर एक्टिंग के मेथड्स के बारे में पता है, लेकिन आज एक्टर्स के पास प्रैक्टिस करने का समय नहीं है.

उन्होंने कहा कि इंटरनेट की वजह से याददाश्त पर बहुत फर्क पड़ रहा है और ये हमें डम्बो बना रहा है. मान लें कि हमने 100 से ज्यादा किरदार किए हैं और दोबारा वैसा ही किरदार मिलने पर हमारी पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं, लेकिन आज ऐसा नहीं है. काम के बीच में 5 मिनट फोन देखने के बाद कुछ देर बाद ये याद नहीं रहता कि क्या देखा था. बता दें, 'मैं एक्टर नहीं हूं' फिल्म एक ऐसी कहानी है जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी पेशे से बैंकर हैं लेकिन महत्वाकांक्षा अभिनेता बनने की है. फिल्म में वे अपने कौशल को निखारने और अपने अभिनेता बनने के अपने को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं।

शुभांगी ने 'भाबीजी घर पर हैं' को कहा अलविदा

10 साल में कई बार सीरियल आया विवाद में

टीवी शो भाभी जी घर पर हैं इंडिया का सबसे पॉपुलर और लंबे समय तक चलने वाला कॉमेडी शो में से एक है. ये शो कानपुर के दो पड़ोसी कपल्स की कहानी पर बेस्ड हैं. इसमें मुख्य ह्यूमर दो पति, मनमोहन तिवारी और विभूति नारायण मिश्रा, अपनी-अपनी पत्नियों अंगूरी और अनिता को लुभाने की कोशिश करते रहते हैं. शो के कई सालों के चलने के दौरान यह हल्के-फुल्के एपिसोड्स से आगे बढ़कर अक्सर खबरों में रहा है, खासकर कास्ट के विवाद, किसी कलाकार का अचानक शो छोड़ना. शुभांगी अत्रे, जिन्होंने 2016 में अंगूरी भाभी का किरदार निभाया, ने हाल ही में 'भाबीजी घर पर हैं!' को अंदाज में अलविदा कहा. उन्होंने लगभग एक दशक तक चले अपने सफर का अंत करते हुए सेट पर अपने लास्ट सीन की शूटिंग पूरी की.शुभांगी अत्रे के शो छोड़ने के बाद, अब खबरें आ रही हैं कि अंगूरी भाभी, शिल्पा शिंदे, शो में एक धमाकेदार वापसी कर सकती हैं. सूत्रों के मुताबिक चैनल शिंदे से बातचीत कर रहा है ताकि उन्हें अत्रे की जगह लाया जा सके और शो में दस साल बाद नई ऊर्जा और ताजगी लाई जा सके. यह खबर इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि शिंदे 2016 में शो छोड़कर विवादों में रह गई थीं.

शिल्पा शिंदे का 2016 में शो छोड़ना बड़ा विवाद बन गया था, जो एंटरटेनमेंट न्यूज में लंबे समय तक चर्चा में रहा. उन्होंने अंगूरी भाभी का रोल अचानक छोड़ दिया और प्रोड्यूसर्स पर मेन्टली टॉर्चर करने का आरोप लगाया.मामला तब और बिगड़ गया जब शिंदा ने कहा कि मेकर्स उन्हें एक एक्सक्लूसिव कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने के लिए मजबूर कर रहे थे, जिसका उन्होंने विरोध किया. प्रोडक्शन हाउस ने इसके जवाब में उन्हें कानूनी नोटिस भेजा और कॉन्ट्रैक्ट ब्रेक और अनप्रोफेशनल बिहेवियर का आरोप लगाया. अगस्त 2020 में, सौम्या टंडन, जिन्होंने पांच साल तक अनीता भाभी का किरदार निभाया, ने सफल सिटकॉम छोड़ने का फैसला किया. उन्होंने बताया कि वे एक आर्टिस्ट के रूप में खुद को और आगे बढ़ाना चाहती थीं, क्योंकि उनका रोल अब उन्हें

उतना एक्साइटिंग नहीं लग रहा था.उन्होंने माना कि महामारी के समय ये फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन फिर भी उन्होंने अपनी क्रिएटिव ग्रोथ को ज्यादा अहमियत दी. उनकी विदाई शो के लिए बड़ी खबर थी, क्योंकि वह चार मुख्य किरदारों में से एक थीं. बाद में उनकी जगह नेहा पेंडसे को लाया गया.

'भाबीजी घर पर हैं!' भले ही एक फैमिली शो है, लेकिन कभी-कभी लोग इसकी कहानी पर उंगली उठाते हैं कि इसमें दो शादीशुदा आदमी पड़ोस की औरतों को पटाने की कोशिश करते हैं. इन बातों पर बात करते हुए एक्टर आसिफ शेख (विभूति नारायण) ने 2015 में साफ कहा था कि शो में कुछ भी गंदा या गलत नहीं है. उन्होंने बताया कि वो खुद ये शो अपनी बेटी के साथ आराम से देखते हैं क्योंकि इसकी कॉमेडी साफ-सुथरी और शालीन होती है, इसमें कोई भद्दी बात नहीं होती.

'दे दे प्यार दे 2' और '120 बहादुर' हिट होने से दूर

इन दोनों 'तेरे इश्क में' का जलवा हर तरफ है. फिल्म पहले ही वीकेंड में 50 करोड़ का आंकड़ा टच कर चुकी है. ऐसे में जान लेते हैं कि इस फिल्म के सामने पहले से मौजूद दो बड़ी बॉलीवुड फिल्मों 'दे दे प्यार दे 2' और '120 बहादुर' का कैसा हाल है.साथ ही, जानेंगे कि ये फिल्म अपना बजट निकालने से कितनी दूर हैं और इनमें से क्या कोई फिल्म हिट होने की तरफ बढ़ भी रही है? अजय देवगन और रकुल प्रीत की इस रोमांटिक कॉमेडी को बॉक्स ऑफिस पर आज 17 दिन पूरे हो चुके हैं. इस फिल्म ने 16 दिन में 69.65 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. वहीं आज 10:10 बजे तक फिल्म की कमाई 1.28 करोड़ और टोटल कलेक्शन 70.98 करोड़ पहुंच चुका है.

इस फिल्म का बजट कोईमोई के मुताबिक 135 करोड़ रुपये है. सैक्निल्क के मुताबिक, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 104.50 करोड़ रुपये का बिजनेस 15 दिनों में किया. फिल्म को हिट होने के लिए करीब 270 करोड़ कमाने होंगे और फिल्म अभी तक अपना बजट भी नहीं निकाल पाई है.फरहान अख्तर की ये वॉर फिल्म इंडिया चाइना वॉर पर बेस्ड है. फिल्म को रिलीज हुए आज 10 दिन हो चुके हैं. फिल्म का 9 दिनों का कलेक्शन 16.15 करोड़ रहा. वहीं आज अभी तक 10वें दिन की कमाई के जो शुरुआती आंकड़े सामने आए हैं उनके मुताबिक 0.79 करोड़ कमाते हुए फिल्म ने टोटल 16.94 करोड़ बटोर लिए हैं. फरहान अख्तर की ये फिल्म फिल्मीबीट के मुताबिक करीब 85 करोड़ में तैयार की गई है।

प्राचीन गढ़ के अवशेष सिंघनगढ़ में

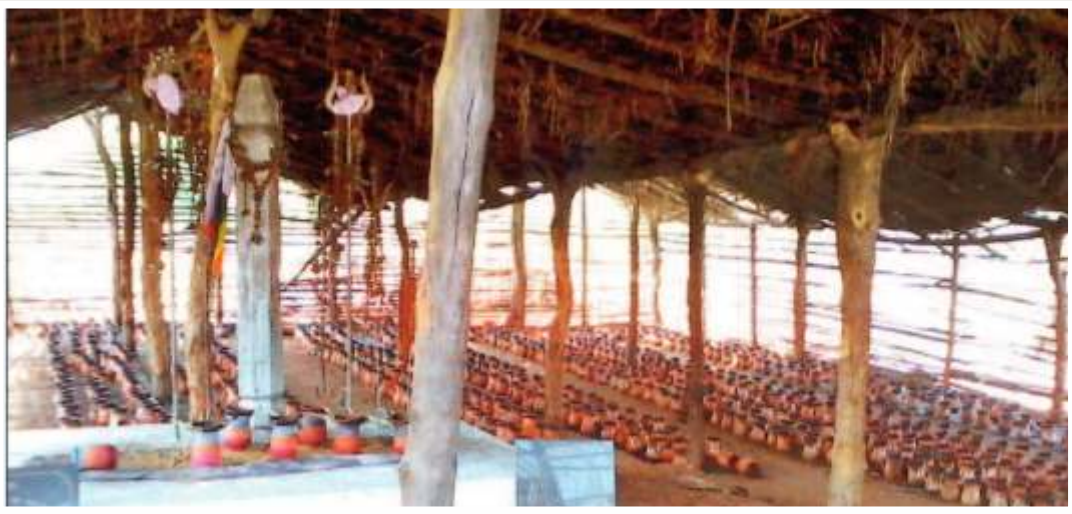

ललित शर्मा

छत्तीसगढ़ के सिरपुर क्षेत्र के बोरिद गांव से नाला पार करने बाद वन में एक स्थान को किसबिन डेरा कहते हैं, इससे लगी हुई पहाड़ी के ऊपर पहुंचने पर पत्थरों की बनी हुई दीवाल दिखाई देती है, थोड़ा आगे बढ़ने पर सिंह द्वार भी दिखाई देने लगते हैं। सिंह द्वार लगभग 8-9 फुट ऊंची है। द्वार के सिर दल पर कमलांकन है। अन्य कोई शिल्पकारी इस द्वार पर दिखाई नहीं देती। द्वार के दोनों तरफ भग्नावशेष रखे हैं। द्वार से भीतर प्रवेश करने पर चौकीनुमा प्रस्तर भग्नावशेष दिखाई देता है। लोगों के अनुसार यह पीढ़ा है। ऊपर से सपाट होने एवं चारों कोनो में पाया होने के कारण इस वर्गाकार आकृति को ग्रामीण पीढ़ा मानते हैं। इसका वजन लगभग 50 किलो होगा। लकड़ी के सहारे से शिलाखंड को उठाकर देखने पर नीचे पद्याकृति बनी दिखाई देती है। इससे प्रतीत होता है कि यह किसी भवन की छत का अवशेष या मंदिर का वितान होगा। इसी के थोड़ा आगे अनगढ़ पत्थरों की दीवार बनी हुई है। आदिवासी समाज के लोग कुछ वर्षों से यहां नवरात्रि में ज्योति प्रज्वलित करते हैं। जिसके लिए यहां लकड़ियों से ज्योति कक्ष की स्थापना भी की गई है। धीरे धीरे श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है जिसके कारण रुकने की व्यवस्था भी की जाती है। इसी स्थल के और थोड़ा आगे आटा पीसने की प्राचीन चक्कियां और स्थापत्य के आधार स्तंभ दिखाई देते हैं।

हबीब तनवीर के नाटकों में लोक तत्व

हबीब तनवीर की रंग क्षमता की वास्तविक पहचान नाटक और उसकी अंतर्वस्तु के अनुरूप लोक रंग तत्वों के सार्थक लाभउठाने और नए आयाम खोजने में देखी जा सकती है। 1985 में पहली बार छत्तीसगढ़ी नाचा शैली से परिचित हुए तथा 1959 में नया थियेटर की स्थापना कर लोक कलाकारों के साथ मिलकर संस्कृत से लेकर यूरोप के कई नाटकों को छत्तीसगढ़ी में खेला और अपनी रंग दृष्टि तथा अद्भुत रंग कौशल से यह साबित किया, किसी तरह से शाखीय व विदेशी नाटकों को ठेठ लोक कला से जोड़ कर मनोरंजक, मोहक और मारक बनाया जा सकता है। लोक कलाकारों के साथ इस नए प्रयोग का उदाहरण था, छत्तीसगढ़ी लोक कथा पर आधारित गांव का नाम ससुराल, मोर नाव दामाद यह रचना सन 1973 को रायपुर में आयोजित नाचा कार्यशाला में हुआ। इसकी प्रस्तुति ने हबीब तनवीर को ऐसा पाठ पढ़ाया, जिसने उनकी रंगमंचीय अवधारणाओं को पूरी तरह बदल कर रख दिया। वे इस नतीजे पर पहुंचे कि आंचलिक कलाकारों में यह प्रतिभा जन्मजात होती है और वे किसी प्रशिक्षण के मोहताज नहीं होते। उन्होंने इस नाटक में विवाह गीत के साथ ददरिया, करमा, सोहर का प्रयोग पहली बार किया तो इसका महत्व अचानक बढ़ गया। ऐसे आंचलिक नाटकों की श्रृंखला लगातार बढ़ती गई जिसमें गीत-नृत्य और संगीत के साथ त्रासदी और हास्य का अदभुत संतुलन देखा गया। लोक कलाकारों एवं लोक तत्वों के समन्वय द्वारा उन्होंने इस नाटक को न केवल समृद्ध किया वरन प्राणवंत भी बनाया।

घंसिया जाति की कुल देवी
रेवागढ़िन माता

डा. किरण नुख्टी

रेवागदिन माता धंसिया जाति की कुल देवी है। यह हैजा दूर करने में सहायक है। भंगाराम देव भी हैजा दूर करने तथा सभी क्षेत्रों की बौहरनी को जमा कर आगे भेजने का काम करता है। माना जाता है कि यह देवी पहले ग्राम पलारी में पहुंचे किन्तु वहां जगह नहीं मिलने के कारण माता को कोंडागांव आना पड़ा। माटी तिहार में माता की विशेष पूजा की जाती है। इस अंचल में अनेक देवी देवता विराजमान हैं जिनकी किसी अवसर विशेष और तीज त्यौहारों में पूजा अर्चना की जाती है। इन देवी देवताओं में मावली माता, हिंगलाजिन माता, सेंदरी माता. बूढ़ी माता, लालमन कुंवर देव, पेंड्रावडिन देवी, राजा राव. एक्टा माता, लंगूर माता, दाबागोसिन माता, शीतला माता, मुरकी माता जैसे और भी कई देवता यहां विराजित हैं। यह देवी देवता विभिन्न आपदाओं और बीमारियों से अपने भक्तों को बचाते हैं। आदिवासियों की इन देवी देवताओं पर विशेष आस्था है।

सारंगढ़ रियासत में राजा सुभद्रसाय का शासन काल

राजा विश्वनाथ साय के पश्चात् सन 1808 ई. में उसका पुत्र सुभद्रसाय सारंगढ़ रियासत के उत्तराधिकारी हुए। उसने केवल 7 वर्ष तक शासन किया। राजा सुभद्रसाय के शासन काल में सारंगढ़ रियासत को अत्यधिक क्षति उठानी पड़ी। मराठे, ब्रिटिश तथा चौहान शक्ति के मध्य उचित तालमेल रख पाने में यह कामयाब नहीं हो पाए। इनके समक्ष यह धर्म संकट था कि किस शक्ति को ज्यादा महत्व दें और किसे कम।

संबलपुर की महारानी रतन कुमारी देवी ने सारंगढ़ राजा सुभद्रसाय के अनुज रणजोर सिंह से अनुरोध किया कि वे उन्हें संबलपुर से दूर किसी सुरक्षित स्थान में ले चलें, जहां मराठा उन्हें पकड़ न सकें। रणजोर ने महारानी को दीपदरहा नामक सुरक्षित स्थान में पहुंचा दिया। तब मराठा सूबेदार माधव राव भोंसरा तथा टांटिआ कम विंसदार संबलपुर ने सारंगढ़ राजा सुभद्रसाय तथा संबलपुर महारानी रतन कुमारी देवी के मध्य सांठगांठ होने के संदेह के चलते माह अगहन सन 1809 में सारसींवा, सोहागपुर, तथा सारंगढ़ ताल्लुका के 5 गांव सारंगढ़ रियासत से छीन लिए तथा 18000 रूपए जुर्माना किया। ठीक एक वर्ष के भीतर सन 1810 में मराठों ने किरकिरदा तथा चंद्रपुर परगना अंतर्गत डभरा भी छीन लिया। यह उल्लेखनीय है कि यह सभी जागीरें सारंगढ़ रियासत को किसी न किसी सत्ता की सेवा के बदले पुरस्कार स्वरूप प्राप्त हुए थे। राजा सुभद्रसाय की तीन रानियां थी। प्रथम रानी जोतकुंवर नवागढ़ के राजा प्रेमसाय की पुत्री थी, द्वितीय रानी अमोलकुंवर विजयपुर के ठाकुर कृपाल सिंह की पुत्री थी तथा तीसरी रानी विश्वासकुंवर बरगढ़ के शासक महाराजसाय की पुत्री थी। सन 1815 में राजा सुभद्रसाय का देहांत हो गया। राजा सुभद्रसाय का शासन काल उत्साहवर्धन नहीं कहा जा सकता। हालांकि उन्हें सारंगढ़ रियासत के विकास का अवसर नहीं मिला, किन्तु यह भी सत्य है कि राजा विश्वनाथ साय विस्तारित सारंगढ़ रियासत को वे संभाल नहीं पाए तथा विभिन्न साम्राज्यवादी शक्तियों के बीच संतुलन रख पाने में नाकामयाब सिद्ध हुए।

मंत्री की पसंद 8वीं पास...

10वीं पास मंत्री का 8वीं पास निज सचिव

सीएम और जीएडी के इंकार के बाद भी रखा

कांग्रेस का तंज डिग्रीधारी युवा बेरोजगार हैं

प्रदेश के नए नवेले पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल एक ऐसे व्यक्ति को निज सहायक के रूप में पदस्थ कराना चाह रहे थे जिसकि शैक्षणिक योग्यता मात्र आठवीं तक है, निज सहायक बनाने की अनुशंसा करते हुए मंत्री ने नोटशीट सचिव सामान्य प्रशासन को भेजा था,लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग ने मंत्री के प्रस्ताव को अमान्य करते हुए पत्र भी जारी कर दिया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जिसे निज सहायक के रूप में पदस्थ कराना चाह रहे थे वह उनका वाहन चालक है और पिछले कई वर्षों से उनके साथ रह रहा है। सीएम और जीएडी के इंकार का आदेश जारी होने के बाद भी प्रोटोकॉल आदि में निज सहायक के रूप में तबरेज आलम का नाम ही जारी किया जा रहा है। तबरेज आलम द्वारा ख़ुद ही प्रोटोकॉल तैयार किया जाता था और ख़ुद को निज सहायक बताते हुए प्रोटोकॉल का पालन करने का निर्देश संबंधितों को दिया गया।

शहर सत्ता/रायपुर। सरगुजा, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने करीबी सहयोगी तबरेज आलम को निज सचिव बनाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा है। विभाग ने तबरेज आलम की शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास होने के कारण निज सचिव बनाने से इनकार कर दिया। अवर सचिव का पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इसे लेकर कांग्रेस ने भी सरकार पर तंज कसा है। कांग्रेस का कहना है कि डिग्रीधारी युवा सड़कों पर हैं और भाजपा सरकार आठवीं पास को संविदा में रखकर सुशासन का ढोल पीट रही है।

29 अक्टूबर को मंत्री ने जारी किया पत्र

अंबिकापुर विधायक और मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने करीबी तबरेज आलम को निज सचिव बनाने के लिए सामान्य प्रशासन मंत्रालय को पत्र भेजा था। विभाग ने तबरेज आलम आलम की शिक्षा की जानकारी एकत्र की। तबरेज आलम आठवीं पास है। इस कारण विभाग के अवर सचिव मनराखन भौर्य ने 29 अक्टूबर को मंत्री राजेश अग्रवाल को पत्र जारी कर तबरेज आलम की नियुक्ति से इनकार कर दिया।

12 वीं पास है न्यूनतम योग्यता

सामान्य प्रशासन के अवर सचिव मनराखन भौर्य ने मंत्री राजेश अग्रवाल को पत्र जारी कर बताया कि छत्तीसगढ़ सचिवालय सेवा भर्ती नियम 2012 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय श्रेणी के निम्नतम पद के लिए न्यूनतम योग्यता हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण निर्धारित है। तबरेज आलम की इस पद पर नियुक्ति हेतु न्यूनतम अर्हता नहीं है। इस कारण उनकी नियुक्ति नहीं की जा सकती।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भी कसा तंज

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के दावे के विपरीत तबरेज आलम को निज सहायक के पद पर नियुक्ति नहीं मिल सकी है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी मामले में तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा है कि भाजपाई मंत्री जी आठवीं पास तबरेज आलम को ही क्यों निज सहायक बनाना चाहते हैं? हालांकि, मंत्रालय का पत्र 10 दिनों से अधिक पुराना है, लेकिन सोशल मीडिया में अब भी खूब वायरल हो रहा है।

Indian National Congres...
1h

भाजपा के वादों का सच खोखले दावे, टूटी उम्मीदें!
भाजपा ने वादा किया था 1 लाख युवाओं को नौकरी देने का, लेकिन युवाओं को आज भी रोजगार नहीं मिला, सिर्फ़ वादों की लोरी सुनने को मिली।

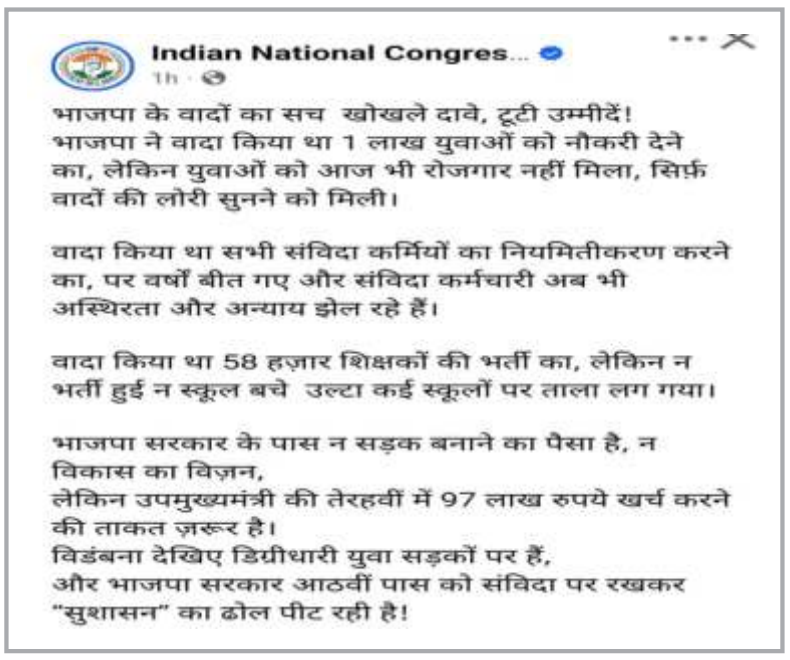

वादा किया था सभी संविदा कर्मियों का नियमितीकरण करने का, पर वर्षों बीत गए और संविदा कर्मचारी अब भी अस्थिरता और अन्याय झेल रहे हैं।

वादा किया था 58 हज़ार शिक्षकों की भर्ती का, लेकिन न भर्ती हुई न स्कूल बचे उल्टा कई स्कूलों पर ताला लग गया।

भाजपा सरकार के पास न सड़क बनाने का पैसा है, न विकास का विज़न,
लेकिन उपमुख्यमंत्री की तेरहवीं में 97 लाख रुपये खर्च करने की ताकत ज़रूर है।
विडंबना देखिए डिग्रीधारी युवा सड़कों पर हैं,
और भाजपा सरकार आठवीं पास को संविदा पर रखकर "सुशासन" का ढोल पीट रही है!

कांग्रेस के वक्त भी पसंद चली

ऐसा नहीं है कि बीजेपी के शासनकाल में ही चेहते और अपात्र को रखा गया है। कांग्रेस शासनकाल में भी पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हॉउस का रिसेप्शन सम्हालने वाला मुख्यमंत्री निज सचिव बनाया गया था और कांग्रेस के शासनकाल में ही शिक्षा मंत्री ने अपनी ही पत्नी को सरकारी वेतन में निज सचिव बना दिया था। हालांकि कांग्रेस के दोनों ही बीजेपी मंत्री के निज सचिव से ज्यादा पढ़े लिखे थे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ लेटर, कांग्रेस का तंज

मंत्री राजेश अग्रवाल के निज सचिव की नियुक्ति का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भी तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

कांग्रेस ने पोस्ट में लिखा है-" भाजपा के वादों का सच खोखले दावे, टूटी उम्मीदें! भाजपा ने वादा किया था 1 लाख युवाओं को नौकरी देने का, लेकिन युवाओं को आज भी रोजगार नहीं मिला, सिर्फ़ वादों की लोरी सुनने को मिली। वादा किया था सभी संविदा कर्मियों का नियमितीकरण करने का, पर वर्षों बीत गए और संविदा कर्मचारी अब भी अस्थिरता और अन्याय झेल रहे हैं।

वादा किया था 58 हजार शिक्षकों की भर्ती का, लेकिन न भर्ती हुई न स्कूल बचे उल्टा कई स्कूलों पर ताला लग गया। भाजपा सरकार के पास न सड़क बनाने का पैसा है, न विकास का विज़न, लेकिन उपमुख्यमंत्री की तेरहवीं में 97 लाख रुपए खर्च करने की ताकत ज़रूर है। विडंबना देखिए डिग्रीधारी युवा सड़कों पर हैं..." और भाजपा सरकार आठवीं पास को संविदा पर रखकर "सुशासन" का ढोल पीट रही है!"

छत्तीसगढ़ शासन
कैबिनेट मंत्री पर्यटन, सांस्कृतिक, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व
[illegible]

क्रमांक / 63 / कै.मं./2025-26 रायपुर दिनांक 06/10/2025

" माननीय मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री राजेश अग्रवाल जी, का दौरा कार्यक्रम "

दिनांक 08 / 10 /2025

समय	आगमन /प्रस्थान	विवरण	वाहन
10:00AM	प्रस्थान	निज निवास लखनपुर से अम्बिकापुर हेतु	कार द्वारा CG02AY7200
10:30AM	आगमन	अम्बिकापुर में पहुँच एवं कार्यक्रम में सम्मिलित	
10:45 AM	प्रस्थान	अम्बिकापुर से सूरजपुर हेतु	
11:30 AM	आगमन	सूरजपुर भाजपा कार्यालय में पहुँच एवं कार्यक्रम में सम्मिलित	
12:00PM	प्रस्थान	सूरजपुर से बेमेतरा (व्हाया अंबिकापुर,कटघोरा,बिलासपुर,सिमगा) हेतु प्रस्थान	
03:30PM	आगमन	बेमेतरा में पहुँच एवं कार्यक्रम में सम्मिलित	
04:30PM	प्रस्थान	बेमेतरा से अशोका रतन रायपुर हेतु प्रस्थान	
06:00PM	आगमन	अशोका रतन रायपुर में (आगमन एवं आरक्षित)	
शेष कार्यक्रम माननीय मंत्री जी के निर्देशानुसार पृथक से जारी किया जाएगा।			

नोट :
1. माननीय मंत्री जी को "Y+" श्रेणी सुरक्षा प्राप्त है।
2. माननीय मंत्री जी का ब्लड ग्रुप "बी पॉजीटिव" है।
3. माननीय मंत्री महोदय जी के साथ पी.एस.ओ. श्री कुंज बिहारी सिन्हा मो. 8964809968 एवं श्री दीपक यादव मो.9406200286 सुरक्षा अधिकारी भी रहेंगे।

प्रति,
1. कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक/सरकार अधिकारी अम्बिकापुर/सूरजपुर/कोरबा/बिलासपुर/मुंगेली/बेमेतरा/बलौदाबाजार भाटापारा/रायपुर को सूचनार्थ।
2. माननीय मंत्री जी के प्रवास के दौरान आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

प्रतिलिपि :
1. राज्यपाल महोदय के सचिव छत्तीसगढ़
2. मुख्यमंत्री महोदय के सचिव छत्तीसगढ़
3. मुख्य सचिव छत्तीसगढ़
4. अपर मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़
5. पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़
6. मुख्य शिष्टाचार अधिकारी, छत्तीसगढ़
7. आई.जी. इंटेलिजेंस, छत्तीसगढ़
8. आई.जी. सुरक्षा छत्तीसगढ़

सूचनार्थ :
1. समस्त माननीय विधायक अम्बिकापुर/सूरजपुर/कोरबा/बिलासपुर/मुंगेली/बेमेतरा/बलौदाबाजार भाटापारा/रायपुर को सूचनार्थ।
2. जिलाध्यक्ष भाजपा जिला अम्बिकापुर एवं समस्त जिला को सूचनार्थ।

(तबरेज आलम)
निज सहायक

छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग,
मंत्रालय,
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर
E-mail: [illegible] 0771-2510973

क्र.ESTB-102(1)/7/2024-GAD-[illegible](part-3) नवा रायपुर अटल नगर, दि. 29-10-2025

प्रति,
विशेष सहायक,
मान.मंत्री, पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व,
मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर।

विषय:- श्री तबरेज आलम को निजी स्थापना निज सहायक के पद पर संविदा नियुक्ति प्रदान करने के संबंध में।

संदर्भ:- मान.मंत्री, कौशल विकास पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व की टीप जावक क्रमांक 23, दिनांक 15.09.2025.

--00--

कृपया संदर्भित टीप का अवलोकन करें जिसमें मान. मंत्रीजी द्वारा श्री तबरेज आलम, पिता-श्री दब्बार आलम, पता-पटेल पारा, कुनाडीह, बंधा, जिला-सरगुजा(छ.ग.) को अपनी निजी स्थापना में निज सहायक के पद पर पदस्थ करने हेतु निर्देशित किया गया है।

2/ उक्त संबंध में लेख है कि छत्तीसगढ़ सचिवालय सेवा भर्ती नियम, 2012 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय श्रेणी के निम्नतम पद(कनिष्ठ सचिवालय सहायक/स्टेनो टायपिस्ट) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेण्ड्री स्कूल सर्टिफिकेट(12 वीं) परीक्षा उत्तीर्ण निर्धारित है, जबकि श्री आलम की शैक्षणिक योग्यता पूर्व माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा(8वीं) उत्तीर्ण है।

3/ अत: श्री तबरेज आलम द्वारा निज सहायक के पद पर नियुक्ति हेतु आवश्यक शैक्षणिक अर्हता धारित नहीं किये जाने के कारण उक्त पद पर उनकी पदस्थापना किया जाना संभव नहीं है। तद्नुसार मान. मंत्रीजी को अवगत, कराने का कष्ट करें।

(माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अनुमोदित)

Digitally signed by
MANRAKHAN BHUARYA
Date: 29-10-2025
(मनराखन भुआर्य)
अवर सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27